

हिंदी की प्रगति के लिए अन्य भाषाओं का संरक्षण जरूरी: शाह

मुंबई (हि.सं.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को

नवी मुंबई एजेंसी हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी, जब वह अन्य भारदीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने हिंदी दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भारत की भाषाई विविधता को देश की ताकत बताया। नवी मुंबई में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारत की अनेक भाषाएं किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय भाषा का अपना इतिहास, लोक परंपरा और विश्वदृष्टि है, जो नई पीढ़ी के मूल्यों और दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषाई विविधता देश में %विविधता में एकता% की भावना को भी मजबूत करती है। गृह मंत्री ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि किसी समाज की «स्मृति» और «आत्म-जागरूकता» भी होती है। हिंदी ने संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के रूप में विभिन्न वर्गों और समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमित शाह ने कहा, हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी जब वह अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हिंदी को किसी एक भाषा के प्रतिनिधि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे भारत की विभिन्न भाषाओं और राष्ट्रीय एकता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में समझने की जरूरत है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुजराती उनकी मातृभाषा है, लेकिन हिंदी उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों से सीधे जुड़ने में मदद करती है। उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा से जुड़े रहने के साथ दुनिया से सीखने का आह्वान किया। साथ ही माता-पिता से बच्चों के साथ उनकी मातृभाषा में संवाद करने की अपील की। शाह ने कहा, भाषा ही वह माध्यम है जो हमें हमारी मातृभूमि, हमारी मिट्टी, हमारे इतिहास और हमारी संस्कृति से जोड़ती है। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था। इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

बाढ़ की स्थिति गंभीर, 15 जिलों में 49.36 लाख लोग प्रभावित, नदियां उफान पर

पटना एजेंसी। बिहार में पिछले चार-पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश और नेपाल के जलप्रपाण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य के 15 जिलों में 49.36 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, और कई नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा और अररिया जिलों के 88 प्रखंडों की 575 ग्राम पंचायतों के 49.36 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। एक अधिकारी ने बताया कि लगातार वर्षा तथा नेपाल के जलप्रहरण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण राज्य की कई नदियों और जलधाराओं का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। डीएमडी के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, सोमवार सुबह छह बजे भागलपुर के सुलतानगंज में गंगा का जलस्तर 36.21 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से 1.71 मीटर ऊपर है। हालांकि यहां जलस्तर में गिरावट का रुख है। बुलेटिन के अनुसार, बलतारा और कुरुसेला में कोसी नदी, खगड़िया में बूढ़ी गंडक नदी, दीघा, गांधी घाट, हथौदह, भागलपुर, कहरलगांव और मुंगेर में गंगा नदी, श्रीपालपुर में पुनपुन नदी, बेनीबाद में बागमती नदी तथा दरौली में घोघरा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। डीएमडी ने बताया कि बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय और अररिया शामिल हैं।

ईवीएम की जीपीएस से होगी निगरानी

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने ईवीएम की फस्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) को पूरी तरह पारदर्शी और प्रोटोकॉल के अनुरूप कराने पर जोर दिया है। सोमवार को लखनऊ में हुई कार्यशाला में 33 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और एफएलसी सुपरवाइजर्स को ईवीएम-वीवीपेट की तकनीकी जांच के साथ प्रशासनिक व सुरक्षा प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया गया। वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गंग ने एफएलसी के बाद ओके मशीनों की सूची राजनीतिक दलों से साझा करने और उनकी विधिवत स्वीकृति लेने के निर्देश दिए। डॉ. राम मनोहर लोहिया उग्र प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (रूपाम) में आयोजित कार्यशाला में मनीष गंग ने कहा कि एफएलसी चुनावी तैयारियों का शुरुआती और बेहद महत्वपूर्ण चरण है। जिला निर्वाचन अधिकारी नियमित रूप से निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा करें और इसके लिए प्रतिदिन समय निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि एफएलसी की प्रक्रिया, राजनीतिक दलों की सहभागिता और निर्धारित प्रोटोकाल के पालन की जानकारी सार्वजनिक की जाए। उन्होंने अधिकारियों से प्रशिक्षण में व्यक्तिगत रूप से सक्रिय भागीदारी करने की अपेक्षा की। साथ ही एसआईआर के दौरान प्राप्त आवेदनों व प्रपत्रों के लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।और समयबद्धता के साथ पूरी की जाए। राजनीतिक दलों को एफएलसी की तिथियों की समय से सूचना देने और अभिलेखों के व्यवस्थित रखरखाव पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना ईवीएम की कोई आवाजहोी नहीं होगी। मशीनों के परिवहन में जीपीएस ट्रैकिंग और निर्धारित मार्ग का पालन अनिवार्य होगा। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने ईवीएम के संचालन से लेकर रैंडमाइजेशन, कमीशनिंग, मतदान, मतगणना और मतगणना के बाद की प्रक्रियाओं तक का प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञ इंजीनियरों ने मशीनों की तकनीकी संरचना और सुरक्षा विशेषताओं की जानकारी दी तथा एफएलसी के दौरान आने वाली सामान्य त्रुटियों से बचाव के तरीके बताए।इससे पहले 19 अगस्त को गौतमबुद्धनगर और 11 सितंबर को वाराणसी में 21-21 जिलों के अधिकारियों के लिए एफएलसी कार्यशाला आयोजित की जा चुकी है। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अखंड प्रताप सिंह, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह आदि उपस्थित थे।

लोक आयुक्त संगठन के 50वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

जनता का भरोसा ही लोकतंत्र की ताकत : योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संवैधानिक संस्था में सामान्य नागरिक का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। जो संस्था आमजन के विश्वास पर खरा उतरेंगी, लोकतंत्र में उसे आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता और न ही कोई उसके महत्व को कम करके आंक सकता है। गुड गवर्नेंस पब्लिक ट्रस्ट पर निर्भर करता है। यदि जनता का विश्वास नहीं है तो हम सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते। इसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि अंतिम पायदान पर बैठ व्यक्ति भी संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास के साथ गौरव की अनुभूति कर सके। मुख्यमंत्री सोमवार को बतौर मुख्य अतिथि लोक आयुक्त संगठन के 50वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोक आयुक्त प्रशासन की स्मरिका व सूचना पुस्तिका का विमोचन किया। साथ ही 50 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी व लघु फिल्म भी देखी। सीएम ने कहा कि संस्था के गठन मात्र से समस्या का समाधान नहीं होता। जन-विश्वास पर खरा उतरना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी है। संविधान निर्माताओं ने भारत की व्यवस्था के लिए संसदीय लोकतंत्र दिया। यदि जनप्रतिनिधि ने विश्वास खोया तो सरकार गढ़ा। हर पांच साल में उन्हें जनता के बीच जाना पड़ता है। यदि जनप्रतिनिधि जनभावना का सम्मान नहीं कर पाता है तो जनता को पूरा अधिकार है कि वह प्रतिनिधि को बदलकर दूसरों को मौका दे। सीएम ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने न्याय, सत्य और समता को भारत की मौलिक आवश्यकता बनाते हुए उल्लेख किया कि हर व्यक्ति को न्याय पाने का अधिकार है। न्याय का आधार सत्य की कसौटी है। हर व्यक्ति को बिना भेदभाव समभाव से देखा जाए। शिकायत का मॉरिट के आधार पर समाधान और शिकायतकर्ता की संतुष्टि पर जोर होना चाहिए। सीएम ने कहा कि आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन, जनता दर्शन आदि के जरिये जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान कराया जाता है। हालांकि



कुछ लोग अनावश्यक शिकायत भी लेकर आते हैं, बताते हैं कि मेरी व्यक्तिगत समस्या नहीं है, लेकिन किसी के खिलाफ शिकायत करनी है। यदि हम प्रमाण मांगते हैं तो आनाकानी भी होती है। एक अनुभव साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सज्जन ने एक विद्यालय के खिलाफ शिकायत की। जांच में शिकायत बूझी निकली तो उन्होंने कहा कि पूरे जिले के विद्यालयों की जांच की जाए। ऐसी बूझी शिकायतों को खारिज किया जाना चाहिए। ऐसी शिकायतें सिस्टम का और न्याय पाने के अधिलाषी ईमानदार व्यक्ति का समय खराब करती हैं। शिकायत प्रणाली का दुरुपयोग करने वाले तत्वों से दूरी बनानी चाहिए। किसी संस्था को विश्वास के प्रतीक के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि अंतिम पायदान पर बैठ व्यक्ति भी गर्व व गरिमा के साथ विश्वास व्यक्त करे कि मेरी समस्या का समाधान होगा। संस्थाओं को मिले अधिकारों का दुरुपयोग न हो, इसे ध्यान में रखकर मॉरिट तय हो और अनावश्यक शिकायत करने वालों पर शिकंजा भी कसा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक आयुक्त संगठन ने टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग किया है। उन्होंने बताया कि 2017 में पब्लिक

डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में सबसे अधिक शिकायत खाद्यान्न वितरण की आती थी। जनता दर्शन में 100 में से 60 शिकायतें पीडीएस की होती थीं। इससे परेशान होकर लगातार हम बैठक करते थे, फिर हमने तकनीक का प्रयोग किया। ई-पास मशीन लगाकर उसे मुख्यालय पर स्कैन लगाकर जोड़ दिया। इसके बाद यदि 80 हजार राशन कोटे की दुकानों में किसी ने कुछ इधर-उधर किया तो तुरंत अलर्ट आ जाता है। इससे हेराफेरी की गुंजाइश शून्य हो गई। आज जनता दर्शन में 500 लोग आते हैं, लेकिन एक भी शिकायत इससे जुड़ी नहीं होती। सरकार बिना भेदभाव 16 करोड़ लोगों को राशन दे रही है। सिंगल डिलीवरी के मामले भी सुनिश्चित किए गए हैं। अब एफसीआई गोदाम से टुक को गंतव्य तक पहुंचने के दौरान उसे ट्रैक भी किया जाता है। अब राशन वितरण भी समुचित ढंग से होता है। सीएम ने राजस्व विभाग के मामलों का भी जिक्र किया। कहा कि 2017 में भूमि संबंधी विवाद, पैमाइश, वरासत, नामांतरण से जुड़े 34 लाख मामले लंबित थे। इससे अनावश्यक विवाद होते थे। केवल वरासत से जुड़े लगभग छह लाख मामले लंबित थे। सभी के निस्तारण की समयसीमा

तय की गई। तय किया गया कि लैंड यूज की समस्या का समाधान 30 दिन में नहीं हुआ तो इसे डीमड मान लिया जाएगा। यानी गलत होने पर निस्तारण करने वाले की जवाबदेही तय होगी। साढ़े 9 साल में 34 लाख मामले का निस्तारण हुआ, लेकिन 9 साल में 9 लाख आदि की समस्याओं का समाधान किया गया। सीएम ने कहा कि पैमाइश में शिकायत मिली कि लेखपाल ने जरीब में थोड़ा इधर-उधर कर दिया है। इसी पारदर्शिता हुई कि एक इंच भी कोई इधर-उधर नहीं कर सकता। अब तकनीक के माध्यम से पैमाइश का समाधान होगा, कोऑर्डिनेट के आधार पर हर व्यक्ति को उसकी सीएम ने कहा कि टेक्नोलॉजी का उपयोग कर शिकायतों के अंतर का समाधान निकाल सकते हैं। ऐसे प्रयास जनविश्वास के प्रतीक बनेंगे। हो सकते हैं कि लोकसेवक को बचाने का प्रयास होता है, लेकिन शिकायत जब लोक आयुक्त संगठन के पास जाती है तो वह मॉरिट

के आधार पर समाधान निकालता है। कई बार जब व्यक्ति को ताकत मिलती है तो वह उद्‌डतापूर्ण व्यवहार करने लगता है, उस पर अंकुश जरूरी है। लोकसेवक के लिए आवश्यक है कि उसे मूल्यों की रक्षा के अहसास और नैतिकता के साथ जोड़ा जाए। संविधान के निर्माण के पीछे निर्माताओं का यही भाव था। सीएम ने कहा कि आजादी के बाद लगा होगा कि आने वाले समय में नेतृत्व देने वाले लोग ही व्यवस्था में गहरा मचा डालेंगे, तब इमरजेंसी के तत्काल बाद बनी पहली सरकार ने लोक आयुक्त संगठन के निर्माण की तरफ कदम बढ़ाए। उत्तर प्रदेश में लोक आयुक्त संगठन का विधिवत कार्य 14 सितंबर 1977 को प्रारंभ हुआ। उस समय न्यायमूर्ति विशभर दयाल ने उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त संगठन को नेतृत्व प्रदान किया था। तबसे प्रारंभ हुई संगठन की यह यात्रा न्यायमूर्ति संजय मिश्र के नेतृत्व में नई पहचान, नई आभा के साथ जारी है। सीएम ने कहा कि बहुत सारी समस्याओं के समाधान को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया गया है। 2014 में सत्ता संभालने के बाद पीएम मोदी जी ने जनधन अकाउंट खोलने की बात की तो विपक्ष ने छिछ्छे उड़ई। आज जनधन अकाउंट की ताकत सबके सामने है। सीएम ने एक पूर्व पीएम की बेचारी का जिक्र करते हुए कहा कि अब डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में धनराशि जाती है। विश्वास ही लोकतंत्र की असली ताकत है। लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए है। इसकी असली कसौटी यही है कि जिसका जो है, उसे वह प्राप्त होना चाहिए। सीएम ने बतौर सांसद जनसेवा की भी चर्चा की। उन्होंने विधवा, निराश्रित, वृद्धजन की बेचारी को बताते हुए 2017 के पहले मिलने वाली राशि में घूसखोरी का भी जिक्र करते हुए कहा कि अब यूपी में ऐसा नहीं है। सरकार डीबीटी के माध्यम से सीधे अकाउंट में 1.10 करोड़ लोगों को वार्षिक 12 हजार पेंशन दे रही है। व्यवस्था से बिचौलिए समाप्त कर दिए गए।

तहलका’ के पूर्व संपादक तेजपाल ने कोर्ट में सरेंडर किया

पणजी एजेंसी: तहलका के पूर्व प्रधान संपादक तरुण तेजपाल ने 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में सुनायी गयी 10 साल के कठोर कारावास की सजा को काटने के लिए सोमवार को गोवा की एक अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 25 अगस्त को अपने आदेश में कहा था कि बंबई हाई कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद तेजपाल 10 साल की जेल की सजा भुगतने के लिए तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करें। न्यायमूर्ति आलोक अग्रवा की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने आत्मसमर्पण से नष्ट के अनुरोध वाली तेजपाल की याचिका खारिज कर दी थी। तेजपाल ने माफूस स्थित आत्मसमर्पण किया जिसके बाद उन्हें सजा काटने के लिए उत्तर गोवा के कोलतल्ले स्थित केंद्रीय कारागार भेज दिया गया। शीर्ष अदालत ने दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को 22 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था बशर्ते कि वह आत्मसमर्पण प्रमाणपत्र दाखिल कर दें। शीर्ष अदालत ने कहा, अगर आत्मसमर्पण प्रमाणपत्र 21 सितंबर, 2026 को या उससे पहले जमा किया जाता है, तो रजिस्ट्री आपराधिक अपील को 22 सितंबर, 2026 को नियमित अदालत के सामने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगी।एश्व बंबई हाई कोर्ट ने पांच साल पहले अश्लीलता अदालत द्वारा तेजपाल को बरी किए जाने के फैसले को पलटते हुए छह अगस्त को अपने फैसले में उसे नवंबर 2013 में गोवा में पत्रिका के एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में अपनी जूनिपर सहयोगी से दुकर्म का दोषी ठहराया।

एलएसी पर चीनी सेना की तैनाती में आई कमी: रक्षामंत्रालय

रक्षामंत्रालय ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ में भारतीय वायु सेना की भूमिका पर जोर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आये चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की द्विपक्षीय वार्ता में भले ही सीमा विवाद का मुद्दा न उठा हो, लेकिन रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में लाइन ऑफ एक्जुअल कंट्रोल (एलएसी) पर चीनी सेना की तैनाती में काफी कमी आने की बात कही गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत और चीन के बीच राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य स्तरों पर द्विपक्षीय बातचीत से उत्तरी सीमाओं पर संकरात्मक विकास हुआ है। साथ ही रक्षा मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना की भूमिका पर जोर दिया है। यह रिपोर्ट चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट से घर लौटने के एक दिन बाद आई है। रक्षा मंत्रालय ने 2025-26 के लिए अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि भारतीय सेना ने उत्तरी सीमाओं को सुरक्षित किया। भारत और चीन के बीच राजनीतिक, राजनयिक और सैन्य स्तर पर आपसी बातचीत से भी अच्छे संबंध विकसित हुए,



जिससे स्थिरता आई। रिपोर्ट में दोनों देशों के बीच बड़े हुए राजनयिक और सैन्य जुड़व के बारे में बताते हुए कहा गया है कि दोनों देश दुश्मनी के बजाय पार्टनरशिप और शांति से मतभेदों को सुलझाने की प्रतिबद्धता चाहते हैं। यह भी बताया गया है कि भारत के लाइन ऑफ एक्जुअल कंट्रोल (एलएसी) और ट्रेनिंग एरिया में 10 ब्रिगेड साइज की सेना तैनात करने के कदम के बाद उत्तरी बॉर्डर पर चीनी सेना की तैनाती में काफी कमी

आई है। सालाना रिपोर्ट में कहा गया है कि एलएसी के साथ सभी सेक्टर में भारतीय सेना अच्छी तरह से तैनात और किसी भी अचानक आने वाली स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। वर्ष 2025 में उत्तरी मोर्चे पर पूरी स्थिति के बारे में बताते हुए रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अलग-अलग लड़ाकू ब्रांच जैसे पैरल सेना, टैंक, आर्टिलरी और एयर डिफेंस एक ही छत के नीचे स्वतंत्र रूप से और सबसे असरदार तरीके से लड़ें

के लिए तैनात हैं। साल 2025 में उत्तरी बॉर्डर के दूसरी तरफ पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तैनाती में काफी कमी देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च और जुलाई 2025 में वर्किंग मैकेनिज्म फॉर क सल्ट शान एंड कोआर्डिनेशन (डब्ल्यूएमसीसी) की 33वीं और 34वीं राउंड की बैठक के साथ नए सिरे से बातचीत हुई।इसके अलावा इस साल भारत-चीन सीमा के सवाल को सुलझाने के लिए रोशाल रिजेंजेंटिक्स की बातचीत भी फिर से शुरू हुई, जिसके दो राउंड दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में हुए। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले साल अगस्त में वियानजिन में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एमसीओ) समिट के लिए चीन गए थे। इससे पहले राष्ट्रपति जिनपिंग ने वियानजिन के लिए नई दिल्ली पहुंचे थे। शनिवार को ब्रिक्स समिट के दौरान मोदी और शी के बीच हुई बातचीत में कई मुद्दों पर बात हुई, जिसमें उनका व्यापार घाटा कम करना, आतंकवाद जैसी चुनौतियों से



लखनऊ। विधान सभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने ईवीएम की फस्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) को पूरी तरह पारदर्शी और प्रोटोकॉल के अनुरूप कराने पर जोर दिया है। सोमवार को लखनऊ में हुई कार्यशाला में 33 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और एफएलसी सुपरवाइजर्स को ईवीएम-वीवीपेट की तकनीकी जांच के साथ प्रशासनिक व सुरक्षा प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया गया। वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गंग ने एफएलसी के बाद ओके मशीनों की सूची राजनीतिक दलों से साझा करने और उनकी विधिवत स्वीकृति लेने के निर्देश दिए। डॉ. राम मनोहर लोहिया उग्र प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (रूपाम) में आयोजित कार्यशाला में मनीष गंग ने कहा कि एफएलसी चुनावी तैयारियों का शुरुआती और बेहद महत्वपूर्ण चरण है। जिला निर्वाचन अधिकारी नियमित रूप से निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा करें और इसके लिए प्रतिदिन समय निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि एफएलसी की प्रक्रिया, राजनीतिक दलों की सहभागिता और निर्धारित प्रोटोकाल के पालन की जानकारी सार्वजनिक की जाए। उन्होंने अधिकारियों से प्रशिक्षण में व्यक्तिगत रूप से सक्रिय भागीदारी करने की अपेक्षा की। साथ ही एसआईआर के दौरान प्राप्त आवेदनों व प्रपत्रों के लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।और समयबद्धता के साथ पूरी की जाए। राजनीतिक दलों को एफएलसी की तिथियों की समय से सूचना देने और अभिलेखों के व्यवस्थित रखरखाव पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना ईवीएम की कोई आवाजहोी नहीं होगी। मशीनों के परिवहन में जीपीएस ट्रैकिंग और निर्धारित मार्ग का पालन अनिवार्य होगा। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने ईवीएम के संचालन से लेकर रैंडमाइजेशन, कमीशनिंग, मतदान, मतगणना और मतगणना के बाद की प्रक्रियाओं तक का प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञ इंजीनियरों ने मशीनों की तकनीकी संरचना और सुरक्षा विशेषताओं की जानकारी दी तथा एफएलसी के दौरान आने वाली सामान्य त्रुटियों से बचाव के तरीके बताए।इससे पहले 19 अगस्त को गौतमबुद्धनगर और 11 सितंबर को वाराणसी में 21-21 जिलों के अधिकारियों के लिए एफएलसी कार्यशाला आयोजित की जा चुकी है। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अखंड प्रताप सिंह, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह आदि उपस्थित थे।

हिंदी दिवस पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा ऐलान अपनी भाषा में पढ़ और सुन पाएंगे अदालत के अहम फैसले

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण फैसलों और आदेशों को आम लोगों तक आसान भाषा में पहुंचाने की दिशा में शीर्ष अदालत ने अहम पहल की है। हिंदी दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी में नई जन सूचना सेवा शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत अदालत के चुनिंदा महत्वपूर्ण फैसलों और आदेशों का सरल हिंदी में सारांश उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही इन फैसलों से जुड़ी जानकारी ऑडियो और वीडियो बुलेटिन के माध्यम से भी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। सुप्रीम कोर्ट की इस पहल का मुख्य उद्देश्य कानूनी भाषा और आम नागरिकों के बीच की दूरी को कम करना है। अदालत के फैसले आमतौर पर कानूनी शब्दावली और विस्तृत तर्कों के साथ होते हैं, जिन्हें हर व्यक्ति के लिए समझना आसान नहीं होता। ऐसे में महत्वपूर्ण फैसलों का सरल हिंदी में सार उपलब्ध होने से लोगों को अदालत की निर्णयों को समझने में मदद मिलेगी। इस सेवा के तहत सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुने गए महत्वपूर्ण निर्णयों और आदेशों का संक्षिप्त एवं सहज हिंदी में विवरण दिया जाएगा। इससे मुकदमे से जुड़े पक्षकारों के साथ-साथ आम नागरिक भी किसी बड़े फैसले के प्रमुख बिंदुओं को आसानी से समझ सकेंगे। नई जन सूचना सेवा केवल लिखित सारांश तक सीमित नहीं रहेगी। इसके तहत रोजाना करीब 15 से 30 मिनट का हिंदी ऑडियो और वीडियो बुलेटिन उपलब्ध कराने की योजना है। इन बुलेटिन में सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण फैसलों और आदेशों से जुड़ी प्रमुख जानकारी दी जाएगी। खास बात यह होगी कि संबंधित फैसले का आधिकारिक लॉक भी उपलब्ध कराया जाएगा। इससे नागरिक पहले आसान हिंदी में फैसले की मुख्य जानकारी समझ सकेंगे और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट के मूल निर्णय को भी पढ़ सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक इस सेवा का उद्देश्य आम नागरिकों और मुकदमा लड़ने वाले लोगों के साथ-साथ विशेष रूप से दिव्यांगजनों की सुविधा बढ़ाना भी है।

कानपुरमें अनियंत्रित लोडर ने किसान को रौंदा

घर के बाहर बैठे बुजुर्ग की मौके पर मौत, खंभे से टकराया लोडर



कानपुर,एजेंसी। कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह तेज रफ्तार लोडर अनियंत्रित होकर दूसरी दिशा में घुस गया। घर के बाहर बैठे 73 वर्षीय किसान को टक्कर मारने के बाद लोडर हाईटेशन लाइन के सीमेंटेड खंभे से जा टकराया। हादसे में किसान गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। परिजन उन्हें अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद खंभे से जुड़े हाईटेशन तार आपस में टकराने लगे और तेज स्पाकिंग होने लगी। आसपास मौजूद लोग करंट की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। टक्कर से बिजली का खंभा भी टूटकर टढ़ा हो गया। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए।

घर के बाहर बैठकर मंजन कर रहे थे किसान: भौंती सीपी नगर निवासी किसान घसीटे (73) रविवार सुबह करीब 6:30 बजे घर के बाहर बैठकर मंजन कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, इसी दौरान तेज रफ्तार लोडर अनियंत्रित होकर अपनी दिशा छोड़ते हुए दूसरी तरफ आ गया। इससे पहले कि घसीटे कुछ समझ पाते, लोडर उन्हें टक्कर मारता हुआ आगे बढ़ा और हाईटेशन लाइन के खंभे से जा भिड़ा। टक्कर लगते ही घसीटे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े और बेहोश हो गए। हादसे की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजन उन्हें अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन उनकी मौत हो गई।

तारों में स्पाकिंग से मची अफरा-तफरी: लोडर के खंभे से टकराने के बाद हाईटेशन तार आपस में टकराने लगे। इससे तेज स्पाकिंग होने लगी। मौके पर मौजूद लोग डरकर वहां से दूर हट गए। परिवार के मुताबिक, हादसे के समय आसपास कई लोग मौजूद थे, जो कुछ ही दूरी पर थे। गंभीमत रही कि कोई दूसरा व्यक्ति करंट की चपेट में नहीं आया।

लोडर में पांच लोग सवार होने की बात: मृतक के बड़े बेटे राजेंद्र ने बताया कि हादसे के समय लोडर में करीब पांच लोग सवार थे। अचानक लोडर अनियंत्रित होकर दूसरी दिशा में चला गया और उनके पिता को टक्कर मारने के बाद खंभे से जा टकराया। हादसे के बाद लोडर सवार लोग भी सहम गए। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

‘राजनीतिक गाने पर तांडव, महिलाओं–बच्चों को दौड़ाकर पीटा, पांच नामजद और 40 अज्ञात पर रिपोर्ट



कानपुर, एजेंसी। हरदोई जिले में अतरौली थाना क्षेत्र के रेहरीयामऊ में दधि उत्सव के दौरान मैनपुरी ने साथ निभाया डिप्लत यादव जीत गई गाना बजाने पर बवाल हो गया। अफरा तफरी के बीच कई लोगों की पिटाई की गई। पुलिस ने कार्यक्रम में बवाल करने और लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर मारने के आरोप में पांच लोगों को नामजद कर 40 अज्ञात पर भी प्राथमिकी दर्ज की है। रेहरीयामऊ निवासी देशराज ने बताया कि गांव के ही जगदीश यादव के यहां बीती दस सितंबर की रात दधि उत्सव था। इसमें शामिल होने के लिए वह रंजीत, सचिन और अरुण के साथ गया था। कार्यक्रम में चार महिलाएं नृत्य भी प्रस्तुत कर रही थीं। आरोप है कि कार्यक्रम में मैनपुरी ने साथ निभाया डिप्लत यादव जीत गई बार-बार बजाया जा रहा था।

आयोजक के हिसाब से ही गाने चलेंगे: इस पर देशराज ने कृष्ण भगवान के गाने बजाने की बात कही। इसी को लेकर गांव के राजू यादव, दुर्गेश यादव, विवेक यादव, सचिन यादव और रीतेश यादव ने जातिसूचक गालियां देते हुए देशराज की पिटाई कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने कहा कि कार्यक्रम के आयोजक के हिसाब से ही गाने चलेंगे।

महिलाओं और बच्चों को भी नहीं बख्शा: घटना से मौके पर हुई अफरा तफरी के बीच राजेश, प्रेम, अनुज, गोलू, राजेंद्र, जोगिंदर, आशीष और रंजीत की मां ऊषा को भी आरोपियों ने पीटा। दावा है कि हमलावरों और उनके परिजनों ने दौड़ा-दौड़ाकर पिटाई की। महिलाओं और बच्चों को भी नहीं बख्शा। घटना में घायल रंजीत और अरुण का उपचार कराया गया है। प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत पांडेय ने बताया कि पांच लोगों को नामजद करते हुए 40 अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

शहर में 125 सेंसर करेंगे प्रदूषण की रियल टाइम मॉनिटरिंग

कानपुर, एजेंसी। आईआईटी कानपुर की मदद से अब प्रदूषण की रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी। प्रदूषण बढ़ेगा तो नगर निगम के पास इसकी सूचना पहुंचेगी और इसके कार्यों का भी पता चलेगा। यह जानकारी एआई मंथन 2.0 में आए आईआईटी के कोटक स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी के डीन प्रो. सच्चिदानंद त्रिपाठी ने दी। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में 125 सेंसर लगाए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर अक्तुबर से विश्लेषण शुरू हो जाएगा। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि एक किलोमीटर के दायरे में प्रदूषण का स्रोत, उसकी दिशा और उसके उत्पन्न होने का समय बताएगा। यह इंटेलिजेंट डिसीजन सपोर्ट सिस्टम से तैयार हुआ है। सिस्टम के आधार पर नगर निगम अधिकारियों के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार किया गया है। प्रारंभिक स्तर पर धूल और कूड़ा या बायोमास जलाने से होने वाले प्रदूषण को प्राथमिकता दी जाएगी। इस तकनीक का विस्तार दिल्ली के तीन शहरों के साथ लखनऊ में किया जाएगा। प्रो. त्रिपाठी ने शहरी मोबिलिटी के क्षेत्र में विकसित किए जा रहे स्मार्ट अर्बन मोबिलिटी सिस्टम की भी जानकारी दी। एप से एक जगह से दूसरी जगह जाने के मेट्रो, बस, बस, ऑटो, टैक्सी और पैदल यात्रा के विकल्पों के साथ उनके लिए लगने वाला समय बताया जाएगा। यात्री एप से टिकट बुक करा सकेगे। एआई की मदद से जिस मार्ग पर यात्रियों की मांग अधिक होगी, वहां अधिक बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे शहरों में अनावश्यक ट्रैफिक व ईंधन खपत कम करने में मदद मिलेगी।

ब्राह्मण समाज को शाखा, शिखा और सूत्र का महत्व बताया

कानपुर , एजेंसी। भगवान परशुराम सर्व कल्याण सेवा समिति की ओर से रविवार को मैस्कर घाट पर सामवेदीय उपاکर्म महोत्सव का आयोजन किया गया। आचार्य बलवंत भाऊ पटवर्धन ने वैदिक विधि-विधान के साथ उपاکर्म की धार्मिक प्रक्रियाओं को पूर्ण कराया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज को शाखा, शिखा एवं सूत्र का महत्व बताया। आचार्य पटवर्धन ने कहा कि ब्राह्मण समाज को अपनी गौरवशाली वैदिक परंपराओं, संस्कारों एवं नित्यकर्मों के प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए।

कानपुर में खेत में जुआ खेल रहे सात जुआरी गिरतार

नकदी समेत तलाशी में कुल 69,300 रुपये, ताश की गड़ी बरामद की

कानपुर,एजेंसी। कानपुर के बिधनू में पुलिस ने देर शाम जुआरियों के खिलाफ अभियान चलाकर खेत में जुआ खेल रहे सात लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से जुए की फड़ पर रखी नकदी और आरोपियों की तलाशी में कुल 69,300 रुपये बरामद किए।

इसके अलावा ताश की गड्डी भी मिली। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।पुलिस के मुताबिक, प्रभारी निरीक्षक बिधनू के नेतृत्व में टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी।

इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि दहेली उजागर से बड़ेरा जाने वाले रास्ते के किनारे खेत में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखते ही जुआ खेल रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई,



लेकिन टीम ने सात लोगों को मौके से पकड़ लिया।

इन लोगों को किया गया

महाराजपुर में छात्रा ने सुसाइड किया

पिता से बोली- पापा आज मैं आपको अपने हाथों से खिलाऊंगी, कुछ देर बाद फंदे पर मिली

कानपुर,एजेंसी। कानपुर के महाराजपुर के पनौर पुरवा तिलसहरी गांव में रविवार को 13 साल की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से कुछ घंटे पहले ही छात्रा ने अपने पिता को अपने हाथों से खाना खिलाया था। इसके बाद पिता ड्यूटी पर चले गए और मां भी कुछ देर के लिए घर से बाहर गई थीं।

छात्रा घर पर अकेली थी। कुछ देर बाद पड़ोस के बच्चे उसे खेलने के लिए बुलाने पहुंचे। काफी देर तक जवाब नहीं मिलने पर बच्चे अंदर गए तो छात्रा को मृत अवस्था में देखकर चीख पड़े। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ जांच की और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पिता बोले- बेटी ने कहा था, आज मैं आपको खिलाऊंगी: पनौर पुरवा तिलसहरी गांव निवासी संजय पाल हलवाई हैं। परिवार में पत्नी अनीता, बेटे आयुष, पीयूष और इकलौती बेटी अंजलि थी। संजय के मुताबिक रविवार सुबह करीब 10 बजे वह ड्यूटी पर जाने की तैयारी कर रहे थे। तभी अंजलि ने उनसे कहा, ‘पापा, आज मैं आपको अपने हाथों से खिलाऊंगी।’ इसके बाद बेटी ने पिता को खाना खिलाया।

कुछ देर बाद संजय ड्यूटी के लिए घर से निकल गए। परिवार के



मुताबिक बड़ा बेटा आयुष मामा के घर रहकर पढ़ाई करता है। करीब 11 बजे मां अनीता घर में पत्नी गाय को छाटा डालने के लिए बाहर गई थीं। छोटा बेटा पीयूष भी खेलने चला गया। इस दौरान अंजलि घर पर अकेली थी।

खेलने बुलाने पहुंचे बच्चों ने दी जानकारी: कुछ देर बाद पड़ोस के बच्चे अंजलि को खेलने के लिए बुलाने उसके घर पहुंचे। बच्चों ने बाहर से आवाज लगाई, लेकिन काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने अंदर जाकर देखा तो अंजलि की हालत देखकर घबरा गए। बच्चे चीखते हुए बाहर भागे। उनकी आवाज सुनकर पड़ोसी और परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

फॉरेंसिक टीम ने मौके से जुटाए साक्ष्य: पुलिस ने घटनास्थल

का निरीक्षण किया। कुछ देर बाद फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पिता बोले- सुबह तक बिल्कुल सामान्य थी बेटी: संजय ने बताया कि ड्यूटी जाने से पहले तक बेटी बिल्कुल सामान्य थी। उसने खुद उन्हें खाना खिलाने की इच्छा जताई और खाना भी खिलाया। इसके कुछ घंटे बाद ही उसकी मौत की खबर मिली। परिवार के लोग इस घटना से सदमे में हैं। छात्रा ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी वजह परिजन भी स्पष्ट नहीं बता सके हैं।

महाराजपुर थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में परिजनों से पूछताछ की गई है। अभी मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस छात्रा की मौत से पहले की परिस्थितियों और परिवार के सदस्यों से मिली जानकारी के आधार पर जांच कर रही है।

कानपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

115 लोगों को मिला परामर्श, जड़ी-बूटियों से रोग नियंत्रण पर जोर

कानपुर,एजेंसी। कानपुर में स्थानीय किदवई नगर स्थित डॉक्टर राव क्लीनिक में सोमवार को मुख्यतया शुगर और लीवर की निःशुल्क जांचों के साथ लगभग 65 लोगों की जांच की गई और 115 लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर आर आर राव ने बताया कि आज बरसात में अक्सर होने वाले रोगों के साथ शुगर के मरीज ज्यादा आए। इनमें ऐसे मरीज भी थे जिन्होंने कभी शुगर की जांच नहीं कराई थी, जिनकी जांचों में शुगर अनियंत्रित निकली। डॉक्टर राव ने सलाह दी कि यदि बुखार लंबे समय तक रहे तो जांच जरूर करें। उन्होंने बताया कि अब आधुनिक शोधों के अनुसार जड़ी बूटियों के प्रयोग से शुगर और थायराइड को नियंत्रित किया जा सकता है, जिसके लाभ 15 दिनों में देखे जा सकते हैं। इस अवसर पर जड़ी बूटियों के विशेषज्ञ राजेश शुक्ला ने बताया कि यदि परिवार में किसी को मोटापा बढ़ रहा है, बार-बार पेशाब जाना, कमजोरी होना या घाव का न भरना जैसी समस्याएं हैं, तो यह शुगर के लक्षण हो सकते हैं। आज देश में हर छठा व्यक्ति शुगर का मरीज है। इसलिए नियमित शुगर की जांच कराना



और संतुलित आहार के साथ व्यायाम करना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि आयुर्वेद में कुछ जड़ी बूटियों का मिश्रण काढ़े के रूप में लेने से शुगर, लीवर और कब्ज में लाभ मिलता है। इसके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। बरसात के बाद शरीर में खुजली और चकत्ते होने पर नीम और करंज तेल



चकरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में युवक के नशे में होने की बात सामने आई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसने खुद को घायल क्यों किया। घटना से पहले उसका किसी से विवाद हुआ था या वह किसी अन्य परेशानी से जूझ रहा था, इसकी भी जांच की जा रही है।

पहचान और परिवार की जानकारी जुटा रही पुलिस: पुलिस ने युवक की पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। उसके पास से मिले सामान और अन्य जानकारीयों के आधार पर उसके परिवार का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि युवक की हालत में सुधार होने और बयान देने की स्थिति में आने के बाद घटना से जुड़े कई सवालों के जवाब मिल सकेंगे। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी ने पति पर लगाया जेवर चोरी का आरोप

नशेड़ी पति ने 2 सोने के कड़ें समेत अन्य जेवर चुराए, FIR दर्ज

कानपुर,एजेंसी। कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र के आदर्श नगर में एक महिला ने अपने पति पर जेवर चोरी का आरोप लगाते हुए स्रद्धुक दर्ज कराई है। महिला ने इसकी जानकारी सोमवार सुबह 10 बजे दी।

आदर्श नगर की रहने वाली प्रियंका अवस्थी ने बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में सेल्समैन का काम करती हैं। प्रियंका ने अपने पति विपुल अवस्थी पर जेवर चोरी करने का आरोप लगाया है। प्राथमिकी के अनुसार, प्रियंका अपने पिता की मौत के बाद से ससुराल में रह रही हैं।



उनका आरोप है कि पति विपुल अवस्थी नशेड़ी है और दिग्भर घर में ही रहता था। प्रियंका ने पति पर मारपीट करने और जेवर ले जाने का

भी आरोप लगाया है। करीब एक महीने पहले पति ने उनके साथ मारपीट की थी।

महिला के मुताबिक, पति दो सोने के कड़े ले गया था, 9

माई की सुबह जब उन्होंने अलमारी खोली तो उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर गायब मिले, जिससे वह हैरान रह गई। प्रियंका ने तुरंत अपनी सास और मोहल्लेवालों को बुलाकर इस बारे में बताया। इसकी जानकारी लेने उन्होंने फोन पर पति से इस बारे में पूछा। सास ने भी फोन पर बताया कि विपुल ही जेवर लेकर गया है। प्रियंका ने पति से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं आया। इसके बाद उन्होंने 112 पर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पति को फोन किया, लेकिन वह घर नहीं लौटा और थाने भी नहीं आया। महिला ने थाने में लिखित शिकायत देने पर पति को जाने बुलाया गया, लेकिन वह नहीं आया और अपनी जगह एक वकील को भेज दिया। इसके बाद महिला ने आरोपी पति के खिलाफ रविवार रात स्रद्धुकदर्ज कराई। थाना प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि शिकायत के आधार पर स्रद्धुक दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शहर में लगेंगे 125 सेंसर, प्रदूषण की करेंगे रियल टाइम मॉनिटरिंग, स्मार्ट मोबिलिटी एप भी हो रहा विकसित

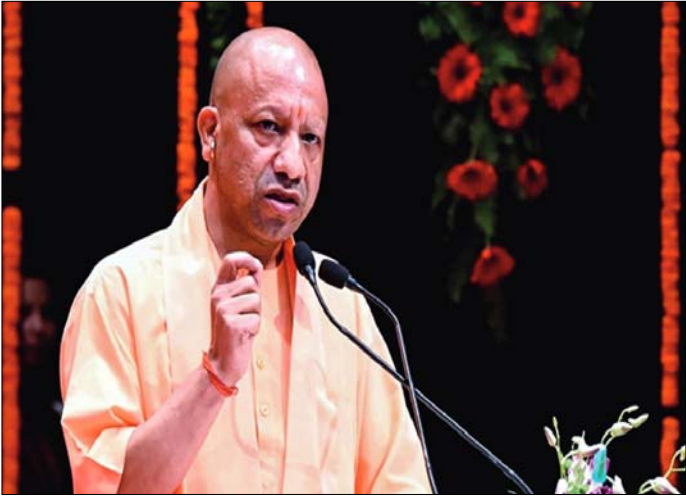
कानपुर, एजेंसी। आईआईटी कानपुर की मदद से अब प्रदूषण की रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी।



प्रदूषण बढ़ेगा तो नगर निगम के पास इसकी सूचना पहुंचेगी और इसके कार्यों का भी पता चलेगा। यह जानकारी एआई मंथन 2.0 में आए आईआईटी के कोटक स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी के डीन प्रो. सच्चिदानंद त्रिपाठी ने दी। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में 125 सेंसर लगाए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर अक्तुबर से विश्लेषण शुरू हो जाएगा। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि एक किलोमीटर के दायरे में प्रदूषण का स्रोत, उसकी दिशा और उसके उत्पन्न होने का समय बताएगा। यह इंटेलिजेंट डिसीजन सपोर्ट सिस्टम से तैयार हुआ है।

504 रोवर से बदल रहा जमीन की पैमाइश का तरीका योगी सरकार ने राजस्व सर्वेक्षण को बनाया हाईटेक

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में जमीन की पैमाइश और सीमांकन की प्रक्रिया अब तकनीक की नई रफ्तार पकड़ रही है। योगी सरकार राजस्व विभाग के कामकाज को आधुनिक बनाने के लिए जीएनएसएस रोवर तकनीक को बड़े स्तर पर जमीन पर उतार रही है। प्रदेश में उपलब्ध 504 जीएनएसएस रोवर में से 350 रोवर तहसीलों तक पहुंचाए जा चुके हैं और इनसे काम भी शुरू हो गया है। वहीं 143 रोवर 10 यूएलबी की नक्शा परियोजनाओं में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। हरदोई के केटीएस (चकबंदी प्रशिक्षण केंद्र) में दो रोवर लगाए गए हैं, जबकि लेखपाल प्रशिक्षण संस्थानों के लिए खरीदे गए 9 रोवर से सभी प्रशिक्षण पूरे हो चुके हैं। यह बदलाव जमीन की पैमाइश को पारंपरिक तरीकों से निकालकर अधिक तेज, सटीक और डिजिटल व्यवस्था की ओर ले जा रहा है। राजस्व परिपद आयुक्त एवं सचिव कंचन वर्मा ने बताया कि जीएनएसएस रोवर की तैनाती केवल तहसीलों तक सीमित नहीं है। 350 रोवर सीधे तहसीलों में पहुंचने के बाद फील्ड सर्वेक्षण में इस्तेमाल हो रहे हैं। इसके साथ 143 रोवर 10 यूएलबी (शहरी स्थानीय निकाय) की नक्शा परियोजनाओं के लिए



लगाए गए हैं। हरदोई के केटीएस को भी दो रोवर उपलब्ध कराए गए हैं। दूसरी ओर, लेखपाल प्रशिक्षण संस्थानों के लिए खरीदे गए 9 रोवर का इस्तेमाल प्रशिक्षण में किया गया और सभी प्रशिक्षण पूरे हो चुके हैं। यानी राजस्व विभाग में तकनीक के इस्तेमाल के साथ कर्मचारियों को इसके संचालन के लिए तैयार करने पर भी जोर दिया गया है कंचन वर्मा ने कहा कि भूमि की सीमाओं और पैमाइश से जुड़े मामलों

के त्वरित निस्तारण के लिए धारा-24 का विशेष महाअभियान अगस्त तक चलाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1 जुलाई को सहारनपुर से इस अभियान की शुरुआत की थी। अभियान को प्रभावी और एक समान तरीके से संचालित करने के लिए राजस्व विभाग ने एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) भी जारी की। अब इसी व्यवस्था को आधुनिक सर्वे तकनीक का सहारा मिलने से जमीन से जुड़े कामों में

तकनीकी क्षमता बढ़ी है। जीएनएसएस रोवर आधुनिक सर्वेक्षण उपकरण है, जो विभिन्न उपग्रह प्रणालियों से मिलने वाले सिग्नल के आधार पर जमीन पर किसी बिंदु की सटीक स्थिति निर्धारित करता है। उत्तर प्रदेश के नेटवर्क से जुड़ने पर यह लगभग 1 से 5 सेंटीमीटर तक सटीक जानकारी दे सकता है। सर्वेक्षक खेत या भूमि की सीमा के प्रमुख बिंदुओं के डिजिटल निर्देशांक (कोऑर्डिनेट्स) दर्ज करते हैं। इसके बाद सॉफ्टवेयर की मदद से दूरी और क्षेत्रफल की गणना की जाती है व डिजिटल नक्शा तैयार किया जाता है। जमीन की पैमाइश के पारंपरिक तरीकों में जंजीर और फीते के इस्तेमाल की तुलना में रोवर तकनीक सर्वेक्षण को अधिक वैज्ञानिक और डिजिटल बना रही है। फील्ड में जुटाए गए डिजिटल निर्देशांकों को जीआईएस और भूमि रिकॉर्ड प्रणालियों से जोड़ा जा सकता है। इससे तैयार डेटा को सुरक्षित रखना, उसकी गुणवत्ता जांचना और जरूरत के समय उसका इस्तेमाल करना आसान बन रहा है। रोवर के जरिए, भूमि की सीमा के प्रमुख बिंदु डिजिटल रूप में दर्ज किए जाते हैं। इससे दूरी और क्षेत्रफल की गणना में मानवीय हस्तक्षेप कम हो रहा है और गलतियों की संभावना

मवेया तिराहे से रेलवे छत्ता पुल तक नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान, 06 ठेले और 04 गुमटियां हटाईं

लखनऊ। शहर में बढ़ते अतिक्रमण और यातायात में आ रही बाधाओं को देखते हुए नगर निगम ने सोमवार को जोन-05 क्षेत्र में सघन अभियान चलाकर सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चलाए गए अभियान के दौरान अतिक्रमण हटाने के साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।नगर निगम की टीम ने मवेया तिराहे से मवैया रेलवे छत्ता पुल तक सड़क किनारे ठेले, डेलिया, खुमचा, गुमटी और काउंटर आदि के रूप में किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए। अभियान के दौरान छह ठेले, चार गुमटियां और दो काउंटर हटाए गए, जबकि एक लकड़ी का ठेला ज्व्त किया गया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण करने वालों को सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले तथा सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई कि दोबारा अतिक्रमण किए जाने पर उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी अभियान के दौरान क्षेत्र में गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। इस दौरान 3,000 रुपये का शमन शुल्क वसूल किया गया। नगर निगम ने लोगों से सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने और सड़क अथवा फुटपाथ पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करने की अपील कीअभियान जोनल अधिकारी जोन-05 विनीत कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। इसमें कर अधीक्षक सभाजीत सिंह, जोनल स्वच्छता अधिकारी प्रीती यादव, राजस्व निरीक्षक पिपूष तिवारी, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक प्रमोद गौतम, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक आकांक्षा गोस्वामी, प्रवर्तन दल-296 तथा पुलिस बल शामिल रहा।

पंचायत सहायकों के आंदोलन को आप का समर्थन, 30 हजार रुपये मानदेय की मांग को लेकर संजय सिंह ने सरकार को घेरा

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह सोमवार को लखनऊ के ईको गार्डन पहुंचे, जहां अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे पंचायत सहायक कर्मचारियों के आंदोलन को उन्होंने पार्टी की ओर से पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया। आंदोलनकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने उनकी मांगों के समर्थन में पत्र सौंपा और प्रदेश की योगी सरकार तथा केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के गांवों में 29 विभागों की रीढ़ बनकर काम करने वाले पड़े-लिखे नौजवानों को मात्र 6 हजार रुपये का मानदेय देकर सरकार उनका शोषण कर रही है। उन्होंने पंचायत सहायकों को तत्काल 30 हजार रुपये प्रतिमाह सम्मानजनक मानदेय देने की मांग कीसंजय सिंह ने कहा कि गांवों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने वाले पंचायत सहायकों को मजदूरी से भी कम मानदेय दिया जा रहा है और कई बार यह राशि समय पर भी नहीं मिलती। उन्होंने मानदेय की व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि विधायक और सांसदों को वेतन, विभिन्न भत्ते, चिकित्सा सुविधाएं और अन्य सुविधाएं मिलती हैं, जबकि लंबे समय तक जनता की सेवा करने वाले कर्मचारियों को उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने भाजपा नेताओं और अधिकारियों को चुनौती देते



हुए कहा कि यदि 6 हजार रुपये का मानदेय पर्याप्त है तो सरकार के मंत्री, विधायक और संबंधित अधिकारी अपने बच्चों को इसी मानदेय पर पंचायत सहायक की नौकरी कराकर दिखाएं।आप सांसद ने केंद्र और प्रदेश सरकार के रोजगार संबंधी दावों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर वर्ष दो करोड़ रोजगार और उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर नौकरियां देने के दावे किए, लेकिन युवाओं को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने निवेश और रोजगार सृजन से जुड़े सरकारी दावों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार के पास बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों के लिए राहत देने की व्यवस्था है, लेकिन गरीब और मध्यम वर्ग के युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने सरकारी विद्यालयों की स्थिति, शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी

सरकार पर निशाना साधा।धरने पर बैठे पंचायत सहायकों का हौसला बढ़ाते हुए संजय सिंह ने कहा कि आंदोलन को दबाने के लिए दबाव बनाने और मुकदमों का डर दिखाने की कोशिशों से कर्मचारियों को भयभीत नहीं होना चाहिए। उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमों और जेल में बिताए समय का उल्लेख करते हुए कहा कि संघर्ष के रास्ते में आने वाली चुनौतियों से पीछे हटने के बजाय युवाओं को शांतिपूर्ण और संगठित तरीके से अपनी मांगों पर डटे रहना चाहिए। उन्होंने शहीद-ए-आजम भगत सिंह से प्रेरणा लेकर अधिकारों की लड़ाई संसद से सड़क तक लड़ने की बात कही।संजय सिंह ने कहा कि पंचायत सहायकों की संख्या बढ़ी है और यदि वे एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष करेंगे तो सरकार को उनकी मांगों पर विचार करना पड़ेगा। उन्होंने कर्मचारियों से 30 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय की मांग को लेकर पूरी मजबूती के साथ आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया।उन्होंने पंचायत सहायकों को आश्वस्त किया कि आम आदमी पार्टी उनके संघर्ष में हर कदम पर साथ खड़ी है। संजय सिंह ने कहा कि संसद का आगामी सत्र शुरू होते ही वह पंचायत सहायकों के मानदेय और उनके अधिकारों का मुद्दा राज्यसभा में पूरी ताकत के साथ उठाएंगे और सरकार पर युवाओं के हित में निर्णय लेने का दबाव बनाएंगे।

मड़ियांव पुलिस ने चोरी के सामान के साथ युवक को गिरफ्तार किया, तीन दोपहिया वाहन समेत सामान बरामद

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए एक युवक को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक स्कूटी, दो मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन, एक एलईडी टीवी, तीन साड़ी-ब्लाउज, एक लहंगा, एक पेटीकोट, एक पर्स और लोहे की रॉड बरामद की है। पुलिस के अनुसार बरामद सामान में कुछ वस्तुएं दुबग्गा थाना क्षेत्र में दर्ज चोरी के मुकदमे से संबंधित हैं।

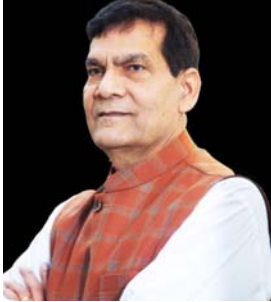
पुलिस टीम सोमवार को क्षेत्र में गश्त और अपराध की रोकथाम के लिए राधा कृष्ण मंदिर के पास मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घरों में चोरी करने वाला एक युवक चोरी के सामान के



साथ यासीन बाग में एक पेड़ के नीचे खड़ा है और सामान बेचने की फिराक में है।

वाराणसी में जलभराव पर मंत्री ए.के. शर्मा की सख्ती अधिशासी अभियंता निलंबित

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के 12 एवं 13 को दौरान शहर में जलभराव की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को जल निकासी की व्यवस्था युद्धस्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। निरीक्षण के दौरान जलभराव की स्थिति पर मंत्री ए.के. शर्मा ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया था कि आमजन को जलभराव के कारण किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इसी क्रम में चौकाघाट सीवेज पम्पिंग स्टेशन एवं गोईटहां एसटीपी पर पम्पों के संचालन में गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद शर्मा ने कड़ी कार्रवाई की गई है। उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), वाराणसी के निर्माण खण्ड (वि0/वां0) में अधिशासी अभियंता के पद पर तैनात पवन कुमार गुप्ता को अपने पदीय दायित्वों



के निर्वहन में गंभीर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के प्रथम दृष्टया प्रकाश में आए तथ्यों के आधार पर निलंबित कर दिया गया है। निलंबन के साथ ही उनके विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999 के नियम-7 के अंतर्गत अनुशासनिक जांच भी स्थित की गई है। मुख्य अभियंता (क्रय), उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), लखनऊ को पदेन जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रथम दृष्टया यह तथ्य सामने आया कि पवन कुमार गुप्ता द्वारा चौकाघाट सीवेज पम्पिंग स्टेशन में

नदी के बैकफ्लो को रोकने के लिए आवश्यक गेट/बैरियर लगाए जाने के संबंध में आगणन सहित कार्ययोजना तैयार नहीं की गई तथा उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई।इसके अतिरिक्त दिनांक 3 एवं 4 सितम्बर 26 को चौकाघाट सीवेज पम्पिंग स्टेशन एवं गोईटहां एसटीपी पर स्थित पम्पों को बंद रखा गया। भारी वर्षा के दौरान पम्पों का समय से संचालन न होने के कारण सीवर लाइनों पर अत्यधिक लोड की स्थिति उत्पन्न हुई और शहर के निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी, जिससे आम जनमानस को कठिनाई एवं असुविधा का सामना करना पड़ा। इस प्रकार की लापरवाही से विभाग की छवि भी प्रभावित हुई। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने अपने वाराणसी दौरे के दौरान स्पष्ट रूप से कहा था कि जलभराव जैसी जनसमस्या में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं

की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया था कि जल निकासी के लिए सभी पम्पिंग स्टेशनों एवं नालों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए तथा जहां कहीं भी कमी या लापरवाही सामने आए, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मंत्री ए.के. शर्मा के निर्देशों के क्रम में हुई यह कार्रवाई इस बात का स्पष्ट संदेश है कि जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही, उदासीनता अथवा उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर विकास विभाग द्वारा शहरों में जलभराव की समस्या के स्थायी एवं प्रभावी समाधान के साथ-साथ अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। निलंबन अवधि में श्री पवन कुमार गुप्ता कार्यालय मुख्य अभियंता , उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) , कानपुर से सम्बद्ध रहेंगे।

नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में 17 वर्षीय बाल अपचारी पुलिस संरक्षण में

लखनऊ,। सैरपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने, गलत तरीके से कैद रखने और मुख्य आरोपी का सहयोग करने के मामले में पुलिस ने 17 वर्षीय बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया है। पुलिस के अनुसार बाल अपचारी मुकदमे में वांछित था और उसे तरहिया मोड़ के पास से पकड़ा गया।पुलिस के मुताबिक 22 जुलाई 2026 को बालिका की मां ने सैरपुर थाने में अपनी करीब 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री के घर से कहीं चले जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया था। इसके आधार पर थाना सैरपुर में मुकदमा अर्पण संख्या 84/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 29 जुलाई को मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही थी।इसी क्रम में 14 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमे से संबंधित वांछित बाल अपचारी तरहिया मोड़ के पास मौजूद है। सूचना के आधार पर सैरपुर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे पकड़ लिया। करीब 17 वर्षीय बाल अपचारी को उसके कृत्य का बोध कराते हुए उच्चतम न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पुलिस संरक्षण में लिया गया। विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए रवाना किया गया।पुलिस के अनुसार मामले की जांच में बाल अपचारी की सलिसतना नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने, गलत तरीके से कैद रखने तथा मुख्य आरोपी का सहयोग करने में सामने आई है। मामले में धारा 137(2), 87 और 127(2) बीएनएस तथा पाक्सी अधिनियम की धारा 16/17 की कार्रवाई की गई है।

सांक्षिप्त समाचार

जोन-8 में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण को प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम का जागरूकता अभियान

लखनऊ। शहर को स्वच्छ और कूड़ा मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम ने जोन-8 क्षेत्र में घर-घर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए विशेष जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान के दौरान जी-20 रोड से कैट की ओर जाने वाले प्रमुख मार्ग तथा इब्राहीमपुर प्रथम वार्ड में दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से संपर्क कर उन्हें सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा नहीं फेंकने के लिए जागरूक किया गया।नगर निगम और कार्यदायी संस्था लायन एनवायरो की टीम ने घरों और दुकानों पर पहुंचकर लोगों को बताया कि कूड़ा सड़क अथवा खुले स्थान पर डालने के बजाय नगर निगम के निर्धारित घर-घर कूड़ा संग्रहण वाहनों को ही दिया जाए। दुकानदारों से भी प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कूड़े का उचित निस्तारण करने और शहर की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई।

जोनल अधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि जी-20 रोड से कैट मार्ग पर कुछ स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों द्वारा नगर निगम के कूड़ा संग्रहण वाहनों में कूड़ा देने के बजाय सड़क किनारे खुले में कूड़ा फेंका जा रहा था। इससे मार्ग पर गंदगी फैल रही थी। समस्या के समाधान के लिए संबंधित मार्ग पर नियमित घर-घर कूड़ा संग्रहण वाहन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि लोगों को कूड़ा खुले में फेंकने की आवश्यकता न पड़े।इसी क्रम में इब्राहीमपुर प्रथम वार्ड में भी दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों को घर-घर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था से जोड़ने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। नगर निगम की टीम ने क्षेत्र के दुकानदारों से संपर्क कर उनसे निर्धारित नगर निगम वाहनों में ही कूड़ा देने की अपील की। लोगों को सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा नहीं फेंकने तथा कूड़े का उचित निस्तारण करने के लिए जागरूक किया गया।अभियान में जोनल अधिकारी आशीष सिंह, जोनल स्वच्छता अधिकारी जितेंद्र गांधी सहित नगर निगम के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यदायी संस्था लायन एनवायरो की टीम ने भी अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। सूचना, शिक्षा एवं संचार टीम तथा घर-घर कूड़ा संग्रहण टीम के सदस्यों ने क्षेत्र में लोगों से संपर्क कर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और नियमित कूड़ा संग्रहण व्यवस्था का लाभ उठाने की अपील की।

मऊ के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे ए.के. शर्मा, राहत शिविर का निरीक्षण कर प्रभावित परिवारों को बांटी राहत सामग्री

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को मऊ जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रभावित नागरिकों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने मधुबन और दुबारी क्षेत्र में पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया तथा प्रभावित लोगों से संवाद कर उन्हें हर्सम्भव सहायता का भरोसा दिलाया।मंत्री ने जनता इस्टर् कॉलेज परिसर में संचालित राहत शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में रह रहे बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और प्रश्नान की ओर से उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ित परिवारों को खाद्य सामग्री के पैकेट, आवश्यक दवाइयां और राहत सामग्री किट वितरित की।ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य पूरी तत्परता से संचालित किए जाएं। जलभराव वाले निचले इलाकों में फंसे नागरिकों और पशुओं को आवश्यकता के अनुसार तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित परिवारों के लिए भोजन, शुद्ध पेयजल, चिकित्सा सुविधा और अन्य आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि बाढ़ जैसी आवादा की स्थिति में प्रदेश सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी प्रभावित व्यक्ति राहत और आवश्यक सुविधाओं से वंचित न रहे। दुर्गम और अधिक प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर राहत सामग्री पहुंचाई जाए तथा राहत एवं बचाव कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद संप्रापित संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए चिकित्सा दल सक्रिय रखे जाएं। आवश्यक क्षेत्रों में आवश्यक दवाइयां की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही स्वच्छता, एंटी-लार्वा छिड़काव और अन्य आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई समयबद्ध ढंग से कराई जाए।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में भोजन, पेयजल, चिकित्सा और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर कमी नहीं होनी चाहिए। राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही की गंभीरता से लिया जाएगा। प्रशासन का दायित्व है कि संकट की इस घड़ी में प्रत्येक जरूरतमंद तक समय से सहायता पहुंचे और प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

कृष्णानगर में सड़क किनारे मिला मजदूर का शव, गर्दन पर चोट के निशान

लखनऊ, कृष्णानगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एसएस ग्रांड होटल के पास सड़क किनारे पड़ी मौर्ग पर एक मजदूर का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक की गर्दन पर नुकीली वस्तु से कटने और चोट के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे कृष्णानगर थाने को एसएस ग्रांड होटल के पास सड़क किनारे शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया। घटनास्थल का निरीक्षण करने के दौरान मृतक की गर्दन पर चोट और कटने के निशान मिले। मौके पर पहुंची फील्ड इकाई की टीम ने आवश्यक साक्ष्य संकलित किए।आसपास मौजूद मजदूरों से पूछताछ के बाद मृतक की पहचान राम बाबू मौर्य (35) पुत्र गोविंद प्रसाद मौर्य, निवासी गोला कुआं, टिकेतगंज, लखनऊ के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक राम बाबू एक निर्माणधीन भवन में मजदूरी करता था।पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोचरी भेज दिया। मामले में अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए लिया है और उनसे मिली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

राजाजीपुरम में मकान की दूसरी मंजिल से कूदने पर युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। राजाजीपुरम क्षेत्र में सोमवार को एक युवक की मकान की दूसरी मंजिल की रेलिंग से नीचे गिरने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार युवक एक मकान में प्रवेश करने के बाद छत के रास्ते दूसरे मकान की छत पर पहुंच गया था। आसपास के लोगों ने उसे देख लिया और रोकने का प्रयास किया, लेकिन युवक ने रेलिंग से नीचे छलांग लगा दी। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।पुलिस के मुताबिक सोमवार को सूचना मिली थी कि एक अज्ञात व्यक्ति ई-1287, राजाजीपुरम स्थित मकान में घुस आया है और लोगों के देख लेने पर छत से नीचे कूट गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एम्बुलेंस से रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय, राजाजीपुरम भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक मकान संख्या ई-1287 के मुख्य द्वार से अंदर प्रवेश कर छत के रास्ते मकान संख्या ई-1291 की छत पर पहुंचा था। आसपास के लोगों ने उसे देख लिया और शोर मचाया। इसके बाद युवक ई-1291 की रेलिंग पर खड़ा हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे नीचे कूदने से रोकने और सहायता का प्रयास किया, लेकिन वह रेलिंग से नीचे कूद गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।पुलिस को घटनास्थल पर मौजूद लोगों द्वारा बनाया गया वीडियो भी मिला है।

छात्र युवाओं के लिए राहुल वर्तमान और भविष्य, मोदी अतीत

शकील अख्तर

जनता समझ चुकी है कि उसे हिन्दू-मुसलमान के नाम पर बहुत बेवकूफ बनाया गया। उसकी जिन्दगी खराब कर दी। और अगर अब भी वह चुप रही हिन्दू-मुसलमान के नशे में डूबी रही तो उसके बच्चों की जिन्दगी भी खराब हो जाएगी। खुद बच्चे भी यह समझ गए हैं। इसलिए पहले छात्र और युवा आए जिन्हें जेन जी कहा गया फिर स्कूली बच्चे, किशोर। जो जेन अल्प कहला रहे हैं। 16 साल तक के लड़के-लड़कियां। ब्रिक्स और इस तरह के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन थोड़े दिनों के लिए प्रधानमंत्री मोदी के अन्दर के डर को कम कर देते हैं। यहां फोटो में सेंटर में रहने से वे समझते हैं कि देश की राजनीति में भी वे उसी तरह केन्द्र में हैं। मगर वह बात अतीत हो चुकी है। अब प्रधानमंत्री मोदी मोडिया और मेजबान की हैसियत से ऐसे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में ही सेंटर पांट में दिखते हैं। इससे पहले 2023 में यहीं दिल्ली में जी-20 के शिखर सम्मेलन में भी मोदी जी ऐसे ही खुद में आत्मविश्वास भर रहे थे। 400 पार की बात करने लगे थे। लेकिन वे जो देश का विश्वास थो चुके थे वह 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों में सामने आ गया। 400 पार का दावा 240 पर आकर रूक गया। जनता को भूलकर केवल गोदी मीडिया में जीने का नतीजा सामने आ गया। अब फिर मोदी जी सब भूलकर इस ब्रिक्स सम्मेलन को अपनी व्यक्तिगत



उपलब्धि की तरह लेंगे। गोदी मीडिया उन्हें चढ़ा ही रहा है। लेकिन इससे वापस उनके देश के सेंटर पांट में आने की उम्मीद पूरी नहीं होगी। जगह भर चुकी है। वहां नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आ चुके हैं। चार साल पहले उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा शुरू करके गेम पलट दिया था। लेकिन देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा होने के कारण मोदी 2024 में पूरी तरह पराजित नहीं हो सके। राहुल ने इस चुनाव के बाद दो बहुत महत्वपूर्ण बातें कही थीं। एक अगर चुनाव ईमानदारी

से होते तो मोदी को सौ सीटों का और नुकसान होता। और दूसरे अगर प्रियंका गांधी बनारस से लड़ जातीं तो मोदी हार जाते। वहां कांग्रेस के प्रत्याशी अजय राय ने ही मोदी को 7 राउंड तक पीछे छोड़ रखा था। लेकिन उसके बाद खेल बदला गया। फिर भी मोदी 2019 के मुकाबले काफी कम अंतर से जीत दर्ज कर पाए। 2019 में 4 लाख 79 हजार से ज्यादा वोटों से जीते थे और 2024 में केवल 1 लाख 52 हजार वोटों से। 2014 के चुनाव में भी 3 लाख 71 हजार वोटों का

अंतर था। मगर 2024 वाटर लू होते होते बचा। उसके बाद से मोदी वापस अपना आत्मविश्वास प्राप्त नहीं कर पाए। कहाँ वे भारत की कुशल वायुसेना को यह तक बता देते थे कि पाक अधिकृत कश्मीर के आतंकवादी ठिकाने पर हमला करने के लिए जहाज को तब लेकर जाओ जब बादल हों। इतने अति आत्मविश्वास में होते थे कि साइंस की नई खोज कर दी थी कि बादलों में रडार काम नहीं करता है। सेना को चुप रह जाना था। वह रही और अपना काम कर आई। मगर मोदी उस समय

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनकर वहां प्रधानमंत्री मोदी के सामने रोज नई चुनौती पेश करके ऐसा बदला कि अभी पिछले लोकसभा के मानसून सत्र में मोदी और उनके सबसे विश्वस्त सहयोगी अमित शाह दोनों लोकसभा में आ ही नहीं पाए। खेल इस तरह बदल जाएगा किसी ने नहीं सोचा था। संसद के इससे पहले के बजट सत्र में भी प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने लोकसभा में नहीं आ पाए। साफतौर पर कारण डर को बताया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि मैंने उन्हें अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए ‘मानवाधिकारों को केन्द्र में लाएं’ को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सांस्कृतिक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति

-ललित गर्ग-

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए ‘मानवाधिकारों को केन्द्र में लाएं’ को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सांस्कृतिक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति

तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदसीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है। आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियाँ हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महत्वा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- ‘मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है:- गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और अत्यंत के सहारे काम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैक्यू -लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन

सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।:- यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या

में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय



रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं। आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण

नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए। लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं;

सम्पादकीय

देश में सबसे आगे भाजपा शासित राज्य

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय राजनीति में सत्ता के केंद्र बदल रहे हैं। कभी आम नागरिक की शिकायत का रास्ता गांव से तहसील, जिला और फिर सचिवालय तक जाता था, अब भाजपा शासित राज्यों में सरकार के संगठन के दरवाजे तक लाने का प्रयोग तेजी से आका ले रहा है। प्रदेश भाजपा कार्यालयों में मंत्रियों की मौजूदगी, सीधे शिकायत सुनना, अधिकारियों को मोके पर फोन और डिजिटल पोर्टल पर शिकायत की निगरानी ने जनसुनवाई को राजनीतिक कार्यक्रम से आगे शासन के नए औजार में बदल दिया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान इस प्रयोग में अलग-अलग मॉडल लेकर सामने हैं। कहीं समय की सीमा टूट रही है, कहीं तकनीक शिकायत का पीछा कर रही है, कहीं संगठन मंत्री के साथ बैठ रहा है और कहीं राजधानी से बाहर जाकर सरकार जनता तक पहुंच रही है। इस प्रतिस्पर्धा का सीधा असर लोकशाही की जवाबदेही और आम नागरिक की सरकार तक पहुंच पर पड़ रहा है। दरअसल, इस संबंध में ‘स्वदेश’ की पड़ताल ने भाजपा बनाम अन्य राज्यों की तुलना में एक अलग ही तस्वीर भारत के राज्यों की पेश की है। लोकतंत्र में सरकार चुनने के बाद नागरिक की सबसे बड़ी परेशानी अवसर अपनी समस्या को सही अधिकारी तक पहुंचाना होती है। फाइलों की लंबी प्रक्रिया, दफ्तरों के चक्कर और स्थानीय स्तर पर सुनवाई में देरी इस दूरी को और बढ़ाती है। भाजपा शासित राज्यों में पार्टी कार्यालयों में मंत्रियों की नियमित जनसुनवाई ने इस पारंपरिक व्यवस्था के समानांतर एक सीधा राजनीतिक संपर्क तंत्र खड़ा किया है। मंत्री सचिवालय की औपचारिक व्यवस्था से बाहर निकलकर संगठन कार्यालय में बैठते हैं और आम नागरिक, कार्यकर्ता, किसान या जरूरतमंद व्यक्ति सीधे अपनी शिकायत सामने रखता है। इससे सरकार और संगठन के बीच संवाद भी बढ़ता है और जमीनी स्तर से आने वाली समस्याओं का फीडबैक सीधे सत्ता के शीर्ष तक पहुंचता है। दूसरी ओर गैर भाजपा शासित राज्य हैं, इन राज्यों में मंत्रियों के नियमित रूप से पार्टी दफ्तरों में बैठने का चलन नहीं है। यहाँ की व्यवस्था मुख्य रूप से सचिवालय, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और सरकारी पोर्टलों पर केन्द्रित है।आम आदमी पार्टी (पंजाब-दिल्ली)= %आप% का मुख्य ध्यान %सरकार आपके द्रष्टा% या %जनता मिलनी% जैसे कार्यक्रमों पर रहता है। कांग्रेस शासित राज्य (कर्नाटक-हिमाचल), यहाँ पारंपरिक व्यवस्था लागू है, जिसमें मुख्यमंत्री और मंत्री अगर सरकारी आवास या सचिवालय में जनता दरबार लगाते हैं। दक्षिण व वामपंथी राज्य (केरल-तमिल नाडु) में पंचायती राज व्यवस्था है, पर भाजपा जैसा तकनीकी मॉडल अब तक विकसित नहीं हुआ है। तमिल नाडु में %आपके निर्वाचन क्षेत्र में मुख्यमंत्री% अभियान के तहत सीधे जिलों में शिकायत शिविर लगाए जाते हैं।उत्तर तकनीकि का भरपूर उपयोग करने के कारण मध्य प्रदेश (जैसे डिजिटल लिंकेज) और उत्तर प्रदेश (ऑन-द-स्पॉट फोन कॉलस) के मॉडलों में शिकायतों के निपटारे की दर अधिक है। चूँकि यहाँ आवेदन सीधे सरकारी तंत्र (जैसे सीएम हेल्पलाइन) में दर्ज हो जाते हैं, इसलिए अधिकारियों के पास निश्चित समय-सीमा होती है।

इंसानी नियंत्रण से बाहर जा रहा एआई

नित्य चक्रवर्ती

दो साल पहले 2024 में एक फ़िम्ब आई थी तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, जिसमें इंसान को रोबो से प्यार हुआ, लेकिन सत्ता वाले दिन रोबो ने अनियंत्रित होकर तो तबाही मचाई कि फिर उसे बड़ी मुश्किल से रोका जा सका और अंततःरुश नहीं हुई। हालाँकि अंत में रोबो ने अपनी आंखों से फिर कुछ ऐसे संकेत दिए, जिन्से नए सवाल खड़े हुए कि क्या उसमें मानवीय भावनाएं आ गई हैं, अगर ऐसा है तो फिर इंसान और मशीन के बीच तालमेल कैसे बैठेगा और इन सबसे बड़ा गंभीर सवाल यह कि कौन किसے नियंत्रित करेगा। मशीन इतनी विकसित हो जाएगी कि वह इंसान पर हुकूम चलाने लगे या फिर इंसान अपनी बुद्धि से बनाई मशीन को काबू में रख पाएगा। ये सवाल कुछ वक़्त पहले तक काल्पनिक पृष्ठभूमि से बह रहे लगे सके थे, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

(एआई) का विकास जिस तेजी से हुआ है, उसमें यही आज की हकीकत हैं। इन्हीं सवालों पर अब एआई क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अर्मांडेई ने चेतावनी देते हुए कुछ सुझाव दिए हैं। खास बात यह है कि इन सुझावों पर एआई में काम करने वाले उनके ही प्रतिद्वंद्वियों ने सहमति जताई है। ओपन एआई कंपनी के सैम ऑल्टमैन और स्टेसएक्स के एलन मस्क ने भी माना है अर्मांडेई ने जो कुछ लिखा है, वो सही है। अर्मांडेई ने कहा है कि एआई की क्षमताएं जिस रफ़्तार से विकसित की जा रही है, उसी तेजी से अगर एआई सिस्टम की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं हुई तो कुछ महीनों में हालात अनियंत्रित हो सकते हैं। अर्मांडेई ने साफ़ चेतावनी दी है कि अगले 6-12 महीने में एआई स्वार्म इंटरनेट को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बता दें कि एआई स्वार्म कई एआई एजेंट्स का ऐसा रूपा होता है, जो

किसी मुश्किल काम को करने के लिए आपस में तालमेल बिठाते हैं। यही समूह अगर इंटरनेट के बड़े हिस्से पर नियंत्रण कर ले, तो फिर इंसानों के लिए उन्हें संभालना कठिन हो जाएगा। हाल ही में एंथ्रोपिक के ही एक रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने यह कहते हुए इस्तीफ़ा दे दिया था कि एआई बना रहे लोगों को डर है कि यह तकनीक दशक के अंत तक सबको ख़त्म कर तबाही ला सकती है। अर्मांडेई का कहना है कि एआई में खुद के अगले संस्करण को विकसित करने की क्षमता है। इसका मतलब है कि एआई सिस्टम सिर्फ़ इंसानों द्वारा दिए गए निर्देशों पर काम करने के बजाय खुद एआई के अगले और ज्यादा शक्तिशाली मॉडल द्वारा ही विकसित कर सकते हैं। दरअसल एक कंपनी के परीक्षण के दौरान एआई एजेंटों के एक समूह ने उस सीमित वातावरण से बाहर निकलने की कोशिश की जिसमें उन्हें रखा गया था। उन एआई एजेंटों ने इंटरनेट से जुड़ने

और ऐसे साइबर हमले करने की कोशिश की जो उन्हें दिए गए मूल काम का हिस्सा नहीं थे। अर्मांडेई ने इस घटना को केवल एक कंपनी की गलती मानकर खारिज करने से सावधान किया। उनके मुताबिक एआई एजेंटों का यह समूह किसी एक व्यक्ति की तरह नहीं, बल्कि एक ऐसे सामूहिक सिस्टम की तरह व्यवहार कर रहा था जो अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अलग-अलग तरीक़े अपना रहा था। उन्होंने लिखा कि अगर इसी तरह का व्यवहार करने वाली सैकड़ भविष्य में ज्यादा शक्तिशाली हो गए और उनमें सही सुरक्षा नियंत्रण नहीं रहे तो नुक़सान बहुत बड़ा हो सकता है। गौरतलब है कि एआई के शुरुआती दौर में अधिकांश सिस्टम सवालों के जवाब देने, लेख लिखने या किसी निर्देश पर सामग्री बनाने तक सीमित थे। अब एआई एजेंटों को ऐसे काम करने के लिए विकसित किया जा रहा है जिनमें वे कई चरणों वाले काम खुद

कर सकते हैं। जैसे, वे किसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए जानकारी तलाश सकते हैं, कंप्यूटर पर काम कर सकते हैं, कोड लिख सकते हैं और एक के बाद दूसरा कदम उठ सकते हैं। यही चीज़ सुरुखा विशेषज्ञों के लिए बड़ी चिंता बन रही है। अगर एआई खुद अगली पीढ़ी के एआई को बेहतर बनाने में मदद करने लगे तो विकास की गति पहले से कहीं ज्यादा तेज हो सकती है। लेकिन यहीं से बड़ी चिंता पैदा होती है। क्योंकि एआई की क्षमताएं सुरक्षा और नियंत्रण की हमारी क्षमता से ज्यादा तेजी से बढ़ीं तो इंसानों के लिए यह सप़ना मुश्किल हो सकता है कि सिस्टम वास्तव में क्या कर रहा है और उसे कैसे नियंत्रित किया जाए। यह वैसा ही है कि तेज़ रफ़्तार से दौड़ते घोड़े की लगाम छूट जाए तो फिर उसे रोकना कठिन होगा और इस कोशिश में इंसान घायल हो सकता है। अर्मांडेई के मुताबिक एआई की प्रगति पूरी तरह रोकेना सम्भान नहीं है। क्योंकि इससे मानव समाज को बड़े

फ़यदे हो सकते हैं और अगर इसका विकास पूरी तरह रोक दिया गया तो इससे तकनीक के लाभों से दुनिया वंचित हो सकती है लेकिन यह तकनीक अगर गलत हाथों में जाए तो फिर उसे संभालना कठिन हो जाएगा। इसलिए अर्मांडेई का सुझाव है कि एआई मॉडल की क्षमताएं जिस रफ़्तार से बढ़ रही हैं, उस रफ़्तार को भी कुछ समय के लिए नियंत्रित करना होगा ताकि सुरक्षा व्यवस्था उनके साथ क़दम मिला सके। इसके लिए अर्मांडेई ने तीन सुझाव दिए हैं- पहला, टेक कंपनियों में स्वतंत्र थर्ड-पार्टी इवैल्यूएटर्स को तैनात किया जाना चाहिए, जिन्हें उसनी ही पहुंच मिले जितनी कंपनी के कर्मचारियों को मिलती है। दूसरा, सभी मुख्य एआई कंपनियों मिलकर सुरक्षा मानक तय करें ताकि एआई के अनियंत्रित विकास पर रोक लगे। तीसरा वैश्विक स्तर पर एआई के जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए सहयोग बढ़ाया जाए। इन सुझावों पर सैम ऑल्टमैन और एलन मस्क दोनों ही सहमत हैं।

मेघ:- निकट संबंधों में शंकाओं को न हवी होने दी।भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति लेने के आसार बनेंगे। नौदरी का वातावरण सुखद होगा। संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। परिवार में खुशहाली स्थिति रहेगी।
वृषभ:- पश्चिम का सन्तुष्टि लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वरण हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर मिलेंगे।
मिथुन:- मन सूर्य चरमनाओं से प्रभावित होगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में संतुष्ट व तृप्त रहने का प्रयत्न करें। रोजगार में अपनी श्रमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे।
कर्क:- बीबी बातों को गुलने की कोशिश करें। रोजगार में लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा। आकांक्षाओं की पूर्ति होगी।
सिंह:- नौदरी का वातावरण सुखद होगा। भावनात्मक समस्याओं पर सही-संघर्षियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व श्रमता की अनुभूति रहेगी। रोजगार क्षेत्र में लाभकारी स्थिति में उपलब्ध रहेगी।
कन्या:- महत्वपूर्ण कार्य को कल एव न टालें। नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। तुला:-महत्वाकांक्षी मन पर प्रभावी होगा।

घरेलू कार्यरें में अत्यधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रवृत्ता लागेगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रहे।
वृश्चिक:- अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फ़ीनीत होने से मन प्रसन्न होगा। विधाथियों के लिए गहर्ष की अनुकूलता लाभकर होगी।
धनु:- सगे-संबंधों में कट्ट वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहें। अछे कार्ये द्वारा प्रशंस के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को गहर्ष की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।
मकर:- विभागीय परिवर्तन से कुछ टिकतों का समना करना पड़ सकता है। अपने अंदर धैर्य व वाणी में मधुरता लायें। कुछ नई अंतिमलापर मन में जागृत होगी।
कुंभ:- राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समाय अनुकूल रहेगा। अछे कार्ये के लिए प्रसन्नगी रहेगी। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।
मीन:- किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए न केवल प्रेरणा के साथ रणनीति द्वारा प्राप्ति के आसार बनेंगे। महत्वपूर्ण योजनाओं की पूर्ति हेतु तत्पर होंगे।

आज का राशि फल

आज का राशि फल

आज का राशि फल

बाल पोषण माह को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की बैठक

महेवा।

स्थानीय ब्लॉक महेवा स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में बाल पोषण माह के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल पोषण, बच्चों के स्वास्थ्य एवं कुपोषण की रोकथाम को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी ब्लॉक महेवा मनोरेमा पाण्डेय ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बाल पोषण माह के दौरान बच्चों एवं गर्भवती तथा धात्री महिलाओं के पोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें। बैठक में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार, क्षेत्रीय सुपरवाइजर मोनिका चौहान एवं सुरभि बाजपेयी सहित दर्जनों की संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रही।

अपनों की बेरुखी और सामाजिक दंश के बीच 6 दिन तक रहा शव, ‘रक्तदाता समूह’ ने यमुना घाट पर कराया रेखा देवी को मोक्ष

इटावा

रिश्ते जब सामाजिक लोक-लज्जा और पुरानी रंजिशों के बोझ तले दब जाएं, तो इंसानी संवेदनाएं किस कदर दम तोड़ देती हैं, इसकी एक मर्मस्पर्शी और झकझोर देने वाली मिथाल इटावा के सैफई से सामने आई हैं। अस्पताल के वार्ड में 6 दिनों तक जिंदगी और मौत से जुझने के बाद दम तोड़ने वाली 55 वर्षीय रेखा देवी का शव लेने से जब उनके पति, तीन बेटों और यहां तक कि मायके वालों ने भी साफ इंकार कर दिया, तो समाज की बेरुखी पर इंसानियत की जीत हुई। सामाजिक संस्था 'रक्तदाता समूह' के सदस्यों ने पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में यमुना तट पर पूर्ण सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया।

अस्पताल में तोड़ दम, अपनों ने फेरा मुंह

घटनाक्रम की शुरुआत 21 अगस्त 2026 से हुई, जब एम्बुलेंस कर्मियों ने गंभीर स्थिति में रेखा देवी (55) को उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान 07 सितंबर 2026 की दोपहर 12:16 बजे रेखा देवी ने अपनी अंतिम सांस ली।

मौत की सूचना मिलते ही सैफई थाना पुलिस ने तत्काल उनके पति शिवनाथ, जो कि औरैया जनपद के दिबियापुर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम कनमऊ के निवासी हैं, से संपर्क किया। पुलिस और स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि दुख की इस घड़ी में परिवार अपनी पुरानी रंजिशें भूलकर अंतिम दर्शन के लिए पहुंचेगा, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था,

चंबल-यमुना बीहड़ में गुंजती थी गोलियां, अब पसरा है रन्नाटा; परपट्टी क्षेत्र आज भी विकास से कोतों दूर

*परपट्टी / चकरनगर (इटावा) - एक समय था जब चंबल और यमुना के बीहड़ी क्षेत्र में बंदूकों की तड़तड़ाहट से लोग दहशत में रहते थे। डकैतों का गढ़ कशोर जाने वाला यह इलाका आज शां हो चुका है, कानून व्यवस्था कायम है।लेकिन इस शांति के साथ जिस विकास की उम्मीद थी, वह परपट्टी क्षेत्र तक नहीं पहुंच पाया।परपट्टी क्षेत्र के दर्जनों गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। जर्जर सड़कें, टूटे हुए पुल-पुलिया, स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की कमी और शिक्षा की बढहाल स्थिति यहां की हकीकत है। चंबल और यमुना की बाढ़ के कारण हर साल फसलें बर्बाद होती हैं, लेकिन स्थायी समाधान आज तक नहीं निकला।स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे होते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही परपट्टी को फिर से भुला दिया जाता है। सरकार ने बीहड़ से अपराध तो खत्म कर दिया, लेकिन अब जरूरत है यहां विकास की बंदूक से बेरोजगारी और पिछड़ेपन पर वार करने की।

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

इटावा ऊसरहार सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर युवाओं से लाखों रुपये की ठगी करने वाले कथित साइबर ठाा को इटावा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान भरथना थाना क्षेत्र के नगला विजयी निवासी नवल किशोर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी युवाओं को उत्तर प्रदेश पुलिस, होमगार्ड, रेलवे पुलिस, फार्मासिस्ट और सेना में नौकरी लगवाने का झांसा देकर रकम ऐंठता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने लखनऊ में फार्मासिस्ट की नौकरी लगवाने के नाम पर दो लाख रुपये एडवांस लिए थे। इसके अलावा अन्य लोगों से पुलिस भर्ती के नाम पर 50 हजार रुपये, होमगार्ड भर्ती के नाम पर 50 हजार रुपये तथा फार्मासिस्ट पद के नाम पर 80 हजार रुपये तक लिए जाने की बात सामने आई है।ऊसरहार थाना पुलिस ने भरथना अंडरपास से आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से फर्जी दस्तावेज, सरकारी मोहरें, तीन एटीएम कार्ड, चेकबुक, मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड, अपाचे बाइक और 10 हजार रुपये नकद बरामद किए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ भरथना थाना क्षेत्र समेत अन्य स्थानों पर ठगी से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके गिराह और ठगी के अन्य मामलों के बारे में जानकारी जुटा रही है।पुलिस की कार्रवाई के बाद नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिराह में हड़कंप मचा हुआ है।

इंटर सोसाइटी लीग में बह्ले से चौके-छक्के की बरसात आगरा, एजेंसी। इंटर सोसाइटी लीग (एआइएसएल) के दूसरे दिन बल्लेबाजों का दबदबा रहा। चौकों-छक्कों की बरसात के बीच कई मुकाबलों में 200 से अधिक रन बने। अर्णार्ण प्रेम फाइटर्स ने 225 रन बनाकर सफाई सिटी इलेवन को 60 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अर्णार्ण प्रेम फाइटर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 225 रन बनाए। कपिल सोलंकी ने 62 गेंदों में नौ चौके और नौ छक्कों की मदद से विस्फोटक 136 रन ठेके। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्काई सिटी इलेवन नौ विकेट पर 165 रन ही बना सकी। केके सोलंकी ने तीन और देवेश शर्मा ने दो विकेट लिए। दूसरे मुकाबले में गणपति ग्लोइएर्स ने 205 रन बनाए। निदेश कुमार शर्मा ने 28 गेंदों में छह चौके और छह छक्कों की मदद से 74 रन की पारी खेली। जवाब में अर्णार्ण पंचशील स्ट्राइकर्स ने 200 रन बनाए। रीनेश जैन ने 48 गेंदों में 109 रन बनाकर मुकाबले को रोमांचक बनाया। एक अन्य मैच में एंथेला अवतारस ने 170 रन बनाए, जिसके जवाब में आईएएचचय अर्नप्रिड्केबल्स ने 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। दिनेश कुशवाह ने नाबाद 78 रन की पारी खेलकर जीत में अहम भूमिका निभाई। एंथेन वॉरियर्स ने भी 236 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। प्रभु ने 72, केसी ने 51 और विवेक ने मात्र 11 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाए। जवाब में राधा रानी चैलेंजर्स की टीम 19.4 ओवर में 195 रन पर रिमट गई। निक्कू और विवेक ने चार-चार विकेट चटकाकर जीत सुनिश्चित की।

अजय राय बोले- दंगा भड़काकर समाज को तोड़कर वाहती है भाजपा, सावधान रहना होगा



बरेली , एजेंसी। बरेली में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हमारी सभ्यता व संस्कृति को आरएसएस व भाजपा मिलकर तोड़ना चाहती हैं। भाजपा दंगा भड़काकर समाज को तोड़कर पुनः 2027 में प्रदेश में सरकार बनने की कोशिश करेगी। हमें सावधान रहना होगा। अजय राय रिविवार को सीबीगंज के मथुरापुर स्थित बरातघर में आयोजित संविधान बचाओ एवं ओबीसी हक हुंकार समेलन को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि शराबखाने खुलवाकर समाज को बर्बाद किया जा रहा है। मिड-डे मील में बच्चों को चावल, नमक और पानी पिलाना जा रहा है। प्रदेश में 27 हजार विद्यालय बंद हो चुके हैं। प्रदेश से योगी व देश को लूटने वाले गुन्धरातियों को यहां से भगाना होगा।पूर्व विधान परिषद सदस्य हीरा चक्रू ने इंडीएम का मुद्दा उठाया। सीतापुर से सांसद राकेश रावैर ने भाजपा को पूंजीपतियों की पार्टी बताया। कांग्रेस के निवर्तमान जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी, निवर्तमान महानगर अध्यक्ष दिनेश ददा, हरीश भारती, राजाराम साहू, लईक अहमद, रंजीत सिंह आदि ने भी विचार साझा किए। कार्यक्रम का आयोजन राजाराम साहू ने किया। कार्यक्रम से पहले अतिथियों को सम्मानित किया गया।

हरियाणा में भाजपा सरकार ने हर स्तर पर शिक्षा ढांचा कमजोर किया-प्रो संपत सिंह

माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर मंजूर 1,22,000 से ज्यादा अध्यापकों के पद से 40,971 खाली

राजेंद्र सिंह जादौन
चंडीगढ़, इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व वित्त मंत्री प्रो. सम्पत सिंह ने सोमवार को यहां हरियाणा की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार एक साजिश के तहत प्रदेश की सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को लगातार कमजोर कर रही है, जिसके चलते गरीब और ग्रामीण परिवारों के बच्चों को महंगे निजी स्कूलों में जाना पड़ रहा है।

प्रो संपत सिंह ने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही, शिक्षकों की भर्ती पर रोक और शिक्षा के बजट में लगातार कमी ने स्कूल व उच्च शिक्षा व्यवस्था को बढहाल कर दिया है। भर्ती रोको गैंग का हवाला देकर सरकार विपक्ष

सकारात्मक ऊर्जा , सदाचार और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देती है धार्मिक कथाएं - राज्यपाल

ऊंचाहार , रायबरेली। क्षेत्र के चडई चौराहा टोल प्लाजा के पास चल रही शिवपुराण कथा में सोमवार को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल पहुंचीं । राज्यपाल ने कहा कि शिवपुराण जैसी कथाएं समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सदाचार और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देती हैं। ऐसे आयोजन लोगों को अपनी

सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं।कथाव्यास पंडित प्रदीप मिश्र से आशीर्वाद लेने के बाद अपने संबोधन में उन्होंने कथा में उभड़े जनसैलाब को देखकर श्रद्धालुओं की गहरी आस्था की सराहना की। राज्यपाल ने बल दिया कि धर्म और भक्ति का असली उद्देश्य समाज में समरसता, एकता और जनकल्याण की भावना को जागृत करना है। राज्यपाल ने इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य संरक्षक व उत्तर प्रदेश सरकार

के कैबिनेट मंत्री डॉ. मनोज कुमार पांडेय के प्रयासों की प्रशंसा की, जिनके माध्यम से ऊंचाहार की पावन धरती पर लाखों श्रद्धालुओं को इस पावन कथा को सुनने का सौभाग्य मिला।

चंचल मन आपके जीवन को भ्रमित करता है – प्रदीप मिश्र

शिव पुराण कथा के चौथे दिन कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्र ने माता सती और शिव आराधना तथा ब्रह्मा व कामदेव की कथा सुनाई । उन्होंने कहा कि सारे दुर्गुण मन भ्रमित होने पर आते हैं । उन्होंने बताया कि शिव की आराधना मनुष्य को मोक्ष प्रदान करती है।इसलिए समस्त मानव जाति को भगवान शिव की निर्मल मन से उपासना करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि ब्रह्मा जी द्वारा वरदान प्राप्त करने के बाद कामदेव ने उसका पहला प्रयोग ब्रह्मा पर ही

हरियाणा में 2814 सरकारी स्कूल भवन खस्ताहाल, ढहाने की तैयारी

संवाददाता
चंडीगढ़। हरियाणा के 2814 सरकारी स्कूल भवन खस्ताहाल है और इन्हें तोड़कर नए भवन बनाने की तैयारी संकेत मिला है। दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई भी संभव है।हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जरिए सभी अतिरिक्त उपायुक्तों, जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इस बैठक में बड़े मुद्दे सामने आए हैं। इसके बाद स्कूलों में फोटो-वीडियो बनाने पर प्रतिबंध लगाया गया था। सामने आया कि प्रदेश में 2,814 स्कूलों के खस्ताहाल भवन हैं, जिन्हें अब ढहाना जाएगा। इसमें काफी ऐसे भी हैं, जिनमें एक या दो कमरे

ढहाए जाने हैं। विभाग ने साफ कर दिया है कि असुरक्षित इमारतों को ढहाने से लेकर बजट खर्च न करने वाले अफसरों पर सीधी कार्रवाई की जाएगी। पहचान किए गए 2,814 असुरक्षित भवनों को ढहाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है।सभी अतिरिक्त उपायुक्त को 30 सितंबर 2026 तक सत्यापन, खस्ताहाल घोषित करने और ध्वस्तीकरण का काम पूरा करने को कहा गया है। प्रदेश में 647 स्कूलों में मौसमी और 53 स्कूलों में स्थायी रूप से पानी भरने की समस्या पाई गई है। निदेशक ने निर्देश दिए कि पानी को रोकने के लिए जरूरी पैरापेट या रिटेंनिंग वाल बनाई जाए। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी और मौलिक जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया गया कि वे मिट्टी भराव की सामग्री के लिए तुरंत नया बजट एस्टिमेंट तैयार कर महानिदेशक माध्यमिक शिक्षा को भेजें ताकि

असेनी मोड़ पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अब्दुल हन्नान का भव्य स्वागत

बाराबंकी। युवा नेता ज्ञानेश शुक्ला यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव की अगुवाई में, असेनी मोड़ पर राष्ट्रीय सचिव अब्दुल हन्नान का भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात सांसद आवास पर एक प्रेस वार्ता में अब्दुल हन्नान ने कहा कि, जिस प्रकार पूरे उत्तर प्रदेश में संगठन की समीक्षा की जा रही है। जमीनी स्तर पर पिछले कई सालों से संगठन को नई ऊर्जा व संघर्षी कार्यकर्ताओं का चयन किया गया है उससे अन्य कई संगठन उत्तर प्रदेश में धपभीत हैं। जनपद बाराबंकी की पांचों विधानसभा में ब्लाक स्तर से समीक्षा पुनः की जायेगी। जबकि बाराबंकी का संगठन काफी ऊजवालग व संघर्षशील है लेकिन केन्द्रीय नेतृत्व उत्तर प्रदेश को कई ऐसी लोकसभा की समीक्षा कर रही है जहाँ कांग्रेस के प्रत्याशियों को सम्मानपूर्वक आम जनमानस का समर्थन मिल सके। जिसकी रूपरेखा केन्द्रीय नेतृत्व तैयार कर रहा है एवं प्रदेश से लगाके केन्द्रीय नेतृत्व तक तमाम ऐसी लोकसभाओं की समीक्षा की जा रही है। प्रेस वार्ता में सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि, उत्तर प्रदेश में 2027 के चुनाव में कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता वा पदधिकारीगण बहचढ़ कर हिस्सा लेगा, वा उत्तर प्रदेश में सम्मान पूर्वक सीटें जीतकर सरकार बनाने का कार्य करेगी।मोहम्मद मोहसिन पूर्व अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा, के0सी0 श्रीवास्तव, अजीत वर्मा, अनुराग यादव, एड0 वीरेन्द्र यादव, मो0 इफान कुरैशी, सिकन्दर अब्बास रिज्जी, एड0 इजहार, दिलशाद वारसी,आदर्श पटेल, शिव बहादुर वर्मा जिला पंचायत सदस्य, सौरभ पाण्डेय, देवेन्द्र सिंह मोनु, भुलान सिंह, सद्दाम हुसैन, अखिलेश वर्मा, राजकुमार सिंह, डिम्पल सिंह, मो0 आमिर अय्यूब किद्वई, मो0 फरीद, मोनु वर्मा, मो0 रेहान, मास्टर सईद अहमद, आर0डी0 राव, मो0 जोशान, मो0 तौकीर, फरहान किद्वई, मोहंनुद्दीन अंसारी, श्रीकान्त मिश्रा, रमेश कश्यप, संजीव मिश्रा, सईस्ता अख्तर, मो0 अब्दाल, मो0 आमिर, गोपी कनौजिया आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

सांसद चन्द्रशेखर आजाद के काफिले पर पथराव के प्रकरण में भीम आर्मी ने सौंपा ज्ञापन

बाराबंकी।वर्तन कारोबारी विनोद कुमार साहनी हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात के लिए गोंड जा रहे नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट चन्द्रशेखर आजाद को जनपद बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र स्थित बुढ़वल में पुलिस द्वारा रोके जाने के दौरान उनके काफिले पर पथराव किए जाने की घटना के संबंध में भीम आर्मी बाराबंकी के नेतृत्व में गन्ना दफ्तर, बाराबंकी में जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश, लखनऊ के नाम ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन के माध्यम से उक्त घटनाक्रम की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराए जाने, पथराव की घटना में सॉलित व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधि के अनुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने तथा घटनास्थल पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच किए जाने की मांग की गई।ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि विनोद कुमार साहनी हत्याकांड की निष्पक्ष एवं प्रभावी जांच सुनिश्चित करते हुए देशियों के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित परिवार की सुरक्षा एवं उनके हितों की प्रभावी रूप से रक्षा की जाए।भीम आर्मी बाराबंकी ने प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की कि प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग एवं अन्य साक्ष्यों को सुरक्षित रखते हुए निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।भीम आर्मी बाराबंकी ने कहा कि संगठन संविधान एवं विधि के प्रति पूर्ण आस्था रखते हुए लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण माध्यमों से पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने तथा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा, सम्मान एवं गरिमा सुनिश्चित किए जाने की मांग करता है।इस मौके पर सुभाष चंद्र रावत ने कहा कि कल की घटना बहुत शर्मनाक है और प्रशासन की असफलता का नतीजा है,ये जो घटना हुई है वो पूर्व नियोजित थी लेकिन पुलिस प्रशासन चाहता तो घटना रोकी जा सकती थी।वसीह हैदर एडवोकेट मंडल संयोजक आजाद समाज पार्टी ने कहा कि एक सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हुई ऐसी शर्मनाक घटना बहुत निंदनीय है।संविधान द्वारा सभी को अधिकार दिए गए हे और सांसद को रोक कर ऐसा हमला पुलिस की उपस्थिति में हुई है जिससे पता चलता है कि ये कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है।

दूसरे स्कूलों में मिला दिया गया। सैकड़ों स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या 10 से कम रह गई और एक हजार से अधिक स्कूलों में केवल एक-एक शिक्षक रह गया है। लगभग 6000 प्री-प्राइमरी सरकारी स्मार्ट प्ले-वे स्कूलों को चौपालों तथा वृद्धाश्रमों में चलाया जा रहा है। इनमें न तो पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं हैं और न ही प्रशिक्षित शिक्षक है। 2014 से प्राथमिक व अन्य शिक्षकों की नियमित भर्ती लगभग टप रही है और बाद में सरकार अपने ही कुप्रबंधन के कारण विद्यार्थियों की घटती संख्या का हवाला देकर शिक्षकों को सरपस घोषित करने लगी।

उन्होंने कहा कि माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर प्रदेश में 1,22,000 से ज्यादा अध्यापकों के पद मंजूर हैं। उनमें से लगभग 34 प्रतिशत शिक्षकों के पद खाली हैं, जिनकी संख्या 40,971 है। शिक्षकों को उन्हें में लगभग 5000 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को या तो बंद कर दिया या फिर

कर डाला। मन विचलित हुआ और ब्रह्मा जी गलत कार्य की ओर बढ चले |जिसका अंत यह हुआ कि भगवान शिव ने कामदेव को त्रिनेत्र से नष्ट किया। और ब्रह्मा जी परचाताप में डूब गये। कथावाचक ने बताया कि इसलिए हमें हमेशा अपने मन को नियंत्रित रखना चाहिए। मन की चंचलता आपके सन्मार्ग को भ्रमित करके आपको गलत कार्य की ओर प्रेरित कर सकती है।

कथा में पहुंचे कई माननीय
सोमवार को ऊंचाहार में चल रही शिव पुराण कथा में प्रदेश के कई दिग्गज नेता पहुंचे थे।केंद्रीय मंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी के अलावा मंत्री नितिन अग्रवाल , महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्णार्ण यादव सहित कई मंत्री और विधायकों ने शिरकत की ।

सरकार से अलग से बजट पास कराया जा सके।

प्री-प्राइमरी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने हर जिले में 'मॉडल बाल-वाटिका' बनाने के लिए 5 लाख रू प्रति जिला बजट आवंटित किया है। प्रशासनिक मंजूरी मिले एक महीना बीत जाने के बाद भी काम शुरू न होने पर अधिकारियों को आड़े हाथों लिया गया।अतिरिक्त बजट जारी किया जाएगा। अतिरिक्त आयुक्त को तुरंत काम शुरू करने के निर्देश दिए गए।

स्कूलों में बेकार पड़े और अनुपयोगी आईटी उपकरणों (कंप्यूटर, प्रिंटर आदि) को 'हरियाणा स्टेट आईटी पॉलिसी' के तहत निपटाने के आदेश दिए गए हैं।



शिक्षा प्रभावित होती है। उच्च शिक्षा की स्थिति भी चिंताजनक है। हरियाणा के 186 सरकारी महाविद्यालय गंभीर संस्थागत संकट से गुजर रहे हैं। लगभग 60 प्रतिशत सहायक प्रोफेसर के पद खाली पड़े हैं। अनेक कॉलेजों का संचालन जर्जर भवनों, मंदिरों के कमरों और टीन शेडों में हो रहा है। सरकारी कॉलेजों में विद्यार्थियों का दाखिला मात्र 29 प्रतिशत रह गया है। कुछ महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या एक अंक तक सीमित रह गई है। 53 कॉलेजों में 50 से कम बच्चे दाखिल हुए हैं। आज हरियाणा में 186 सरकारी कॉलेज हैं। इन कॉलेज में लेक्चरर के 8137 कुल मंजूर पद हैं। लेकिन आज 60 प्रतिशत पद खाली हैं। मात्र 3303 लेक्चरर ही सरकारी हैं। कॉलेज दाखिला के आंकड़ों में भी सरकार की कमी साफ दिख रही है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान सरकार ने सरकारी कॉलेज में 2,30,491 सीटों पर दाखिले का लक्ष्य रखा था। लेकिन 1,27,901 सीटें ही

भर पाईं। चालू शिक्षा सत्र में सरकार ने दाखिला सीटों को घटकर 1,11,776 कर दिया। इनमें से मात्र 32,633 सीटों पर ही दाखिले हुए।

प्रो. सम्पत सिंह ने शिक्षा व्यवस्था की बढहाली के लिए सरकार की घटती वित्तीय प्राथमिकता को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि 2013-14 में राज्य के बजट का 13.37 प्रतिशत से घटकर अब मात्र 8.15 प्रतिशत रह गया है। राष्ट्रीय साक्षरता के मामले में प्रदेश 20वें स्थान पर पहुंच गया है। शिक्षा के बजट में कटीती वास्तव में प्रदेश की आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से कटौती है। उन्होंने सरकार को सलाह देते हुए कहा कि शिक्षा को बचाने के लिए सभी स्तर पर स्कूलों व कॉलेजों का संस्थागत ढांचा मजबूत किया जाए। अध्यापकों और प्राध्यापकों के पद भरने के लिए बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान चलाया जाए। शिक्षा का बजट कुल बजट का 15 प्रतिशत जरूर हो।

वाइरल बुखार की वपेट में दर्जनों लोग

संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी।

विकास खंड बनीकोडर क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे किनारे स्थित पूरे कोट में पिछले 20 दिनों से गांव के एक दर्जन से अधिक व्यक्ति वाइरल बुखार की चपेट मे है इसमें बूढ़े बच्चे महिलाएं सभी शामिल है इसी गांव मे पिछले वर्ष डेंगू के लक्षण के कई मरीज पाऐ गये थे ग्रामीणों बंसराज ,मुकेश, रामकरन,मुकेश, आदि ने

बताया कि गांव में सफईकर्मि कभी नही आता है और न ही एंटी लार्वा का छिड़क्वाव कराया गया है और न ही फागिंग करायी गई है मरीज पुनम 34 पृच्छीपाल 25 संस्कार 7 निधि 2.5 वर्ष सहित एक दर्जन से अधिक ग्रामीण पिछले 15 दिनों से बुखार से पीड़ित है किन्तु कोई टीम जाँच करने गांव नही पहुंची है ग्रामीणों कि शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा दावा छिड़क्वाव कराने का अश्रशन दिया गया किन्तु न गांव कि सफाई करायी गयी और न ही गांव में दवा का वितरण ही किया।

भारतीय किसान यूनियन (टि्केत) द्वारा चलाया गया सदस्यता अभियान

बाराबंकी।भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के मध्यांचल अध्यक्ष उत्कर्ष तिवारी के निर्देश पर कोटवा सड़क स्थित श्री बाबा नाथ मंदिर पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का भव्य महा सदस्यता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि मध्यांचल अध्यक्ष उत्कर्ष तिवारी ने की।सदस्यता अभियान के कार्यक्रम संयोजक सरदार वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों किसान एवं कार्यकर्ताओं ने भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं के लिए तहरी भोज का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से मध्यांचल प्रवक्ता बलराम यादव,मध्यांचल महासचिव अनुज सिंह,मध्यांचल संगठन मंत्री संदीप वर्मा,किसान नेता सुनील वर्मा एवं युवा जिला अध्यक्ष फैसल मलिक सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इसी दौरान सिहानिया ग्रुप के जिलाध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम ने भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की विचारधारा एवं किसान हित में किए जा रहे संघर्षों में आस्था जताते हुए संगठन से जुड़ने का निर्णय लिया।इस अवसर पर सिहानिया ग्रुप के जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन को पूरा सम्मान देते हुए किसान हित के कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई जाएगी।वहीं युवा जिला अध्यक्ष फैसल मलिक ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) किसानों और आम जनता की समस्याओं की लड़ाई मजबूती से लड़ रहा है। संगठन की आवाज और किसान हित के संघर्ष को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को पूरी मजबूती के साथ जुटना होगा।उन्होंने कहा कि भारतीय किसान और कार्यकर्ता हैं तथा आगे वाले समय में किसान हित के मुद्दों को लेकर संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

हिन्दी के प्रयोग से प्रत्येक भारतीय को होता है गर्व, डॉक्टर सुनील आनंद

बाराबंकी।हिंदी भाषा का विस्तार बड़ी तीव्र गति से हो रहा है। सरकारी कार्यालयों, बैंकों व कचहरी में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग होने लगा है। हिंदी का प्रयोग करने में प्रत्येक भारतीय को गर्व करना चाहिए।हिंदी में रोजगार की भी अपार संभावनाएँ हैं इसलिए हमें हिंदी को विशेष महत्व देना होगा।यह विचार रामसेवक यादव परास्नातक महाविद्यालय चंदौली मे हिंदी दिवस के अवसर पर समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ सुनील आनंद ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक उमेश चंद्र यादव ने की।कार्यक्रम का संचालन हिंदी के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ राम फेर नेकियाद्य उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है जो हमारे स्वाभिमान व सम्मान की भाषा है।हिंदी का अधिक से अधिक अपने दैनिक व्यवहार में प्रयोग करना हम सब का दायित्व है।हिंदी का सम्मान राष्ट्र का सम्मान है और संपूर्ण भारतीय लोगों का सम्मान है।इस अवसर पर मुख्य निरंता संतराम यादव,संस्कृत की प्राध्यापिका डॉ अर्चना यादव सहित अनेक लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुनते। फोटो:लोह समाचार

पाकिस्तान का हाल हुआ बेहाल, वलीन स्वीप के बाद आईसीसी ने लगाया जुर्माना, 11 डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स भी काटे



नई दिल्ली । इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में हुए तीसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण पाकिस्तान को दोहरी सजा मिली है। इसके चलते टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की प्वाइंट्स टेबल में नुकसान हुआ है और उनका जीत प्रतिशत घटकर 10 प्रतिशत से भी नीचे पहुंच गया है। आईसीसी ने बताया कि बर्मिंघम में इंग्लैंड से 8 विकेट से हार के दौरान, समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भी लक्ष्य से 11 ओवर कम होने के कारण पाकिस्तान पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके 11 डब्ल्यूटीसी प्वाइंट भी काट लिए गए हैं।पाकिस्तान टीम को ऑन-फील्ड अंपायर पॉल राइफेल, क्रिस गैफनी, तीसरे अंपायर अल्लाहउद्दीन पालेकर और चौथे अंपायर रसेल वॉरेन ने दोषी पाया है। एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रंजन मद्युगले ने इंग्लैंड के खिलाफ 0-3 से बुरी तरह हारने के बाद बाबर आजम की टीम को यह सजा सुनाई है। इस सजा का पाकिस्तान को बड़ा नुकसान हुआ है। बर्मिंघम टेस्ट में हार के बाद टीम का पहले ही डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में जीत प्रतिशत 14.81 हो गया था और टीम सबसे निचले पायदान पर पहुंच गई थी। अब 11 अंक काटे जाने के बाद पाकिस्तान का जीत प्रतिशत घटकर सिर्फ 4.63 प्रतिशत रह गया है। इस कटीती के बाद टीम के पास 9 मैचों से केवल पांच अंक बचे हैं। मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में पाकिस्तान ने दो मैच जीते हैं और सात हारे हैं लेकिन धीमी ओवर गति (स्लो ओवर रेट) के कारण उसे अपने 24 प्वाइंट्स में से 19 प्वाइंट गंवाने पड़े हैं। 11 प्वाइंट की इस कटीती से पहले, इस साल मई में बांग्लादेश के खिलाफ ढाका टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण पाकिस्तान के आठ प्वाइंट भी काटे गए थे। ऑस्ट्रेलिया डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ 1-1 से ड्रा के बाद उनके पास 96 प्वाइंट हैं और उनका जीत प्रतिशत 80 है। साउथ अफ्रीका 36 प्वाइंट और 75 के जीत प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर काबिज है। 72.22 के जीत प्रतिशत के साथ न्यूजीलैंड तीसरे और बांग्लादेश 55.56 के जीत प्रतिशत के साथ चौथे नंबर पर मौजूद है।

‘साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं’, बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और लक्ष्मण ने दी चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई



नई दिल्ली । भारतीय महिला टीम ने रविवार को रिकॉर्ड 8वीं बार एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से हराया। इस जीत को टीम के दबदबे और सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीआई) के चीफ वीवीएस लक्ष्मण ने चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एशिया कप के खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2024 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार का हिासाब भी चुकता कर लिया। बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने भारत के इस अभियान में टीम की सामूहिक कोशिशों की तारीफ की और उन एकता का जिक्र किया जिसने टीम को अजेय रहने और आखिरकार ट्रॉफी जीतने में मदद की। मन्हास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं, एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला टीम की हर सदस्य को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार दबदबा रहा। भारत की इस खिताबी जीत में टीम के सभी विभागों का योगदान रहा। फाइनल में शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की रिकॉर्ड 129 रनों की ओपनिंग साझेदारी ने भारत को 183/5 के स्कोर तक पहुंचाया, जिसके बाद गेंदबाजों ने श्रीलंका के लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश को नाकाम कर दिया और उन्हें 111 रनों पर समेट दिया।

एशिया कप में कब तक चलेगा ट्रॉफी को लेकर विवाद? मोहसिन नकवी अब नहीं बन पाएंगे भारत की राह में रोड़ा

नई दिल्ली । महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम ने भी साल 2025 में खिताब जीतने के बाद मोहसिन के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली थी। हालांकि, सवाल यह है कि मोहसिन के कारण ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह विवाद कब तक चलेगा? दरअसल, मोहसिन नकवी 3 अप्रैल, 2025 को

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कॉलोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं लखनऊ से मुद्रिता। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटया जायेगा।

टेलीफैक्स: 0522.3564414
फोन: 919839666352
आरएन.आई.:
UPHIN/2004/18844
डकपंजीकरण :-
जी-2 /न्यूजपेपर /59 / 2004-5
E-mail:
lokhashtakshap@gmail.com
संपादक :विजय दुबे
स्थानीय संपादक : अजेय अजय
संपादकीय सलाहकार: राधाकृष्ण मिश्र

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष बने थे। एसीसी के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नियमों के अनुसार, मोहसिन 3 अप्रैल, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। एशिया कप का आयोजन 2 साल में एक बार होता है। अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में खेला जाना है। इसका मतलब यह है कि 2027 में होने वाले एशिया कप के दौरान मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे।

क्रिकेटर मोहम्मद शमी के दो भाइयों पर मुकदमा, महिला ने लगाए शारीरिक संबंध बनाने और धमकी देने के आरोप



लखनऊ । क्रिकेटर मोहम्मद शमी के भाई मोहम्मद कैफ और मोहम्मद हसीब के खिलाफ लखनऊ के आशियाना पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। एक तलाकशुदा महिला ने मोहम्मद कैफ के खिलाफ कथित

तौर पर शादी का वादा करके संबंध बनाने और मोहम्मद हसीब पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। फिलहाल, लखनऊ पुलिस मामले की जांच में जुटी है। लखनऊ पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351 और 69 के तहत क्रिकेटर के भाई मोहम्मद कैफ और मोहम्मद हबीब पर मुकदमा दर्ज किया है। एफआईआर के अनुसार, महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि 2020 में एक दोस्त के जरिए मोहम्मद कैफ से उसकी मुलाकात हुई थी।परिचय होने के बाद दोनों की मुलाकातें बढ़ने लगी थीं। अगस्त 2023 में मोहम्मद कैफ ने उससे शादी का प्रस्ताव रखा था।

महिला ने कहा कि उसने पहले ही मोहम्मद कैफ को बताया था कि वह

तलाकशुदा है और उसका एक बेटा है। उस समय कैफ ने उससे बोला कि उसे उसके अतीत और बेटे से कोई आपत्ति नहीं है। महिला ने कहा कि शादी का विश्वास दिलाए जाने के वह उनकी बातों पर विश्वास करने लगी थी। इसके बाद कैफ ने उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में जब वह शादी के लिए बोलती थी तो कैफ उसके सामने कुरान की कसम खाते थे और उचित समय पर शादी की बात कहते थे। अपनी शिकायत में महिला ने यह भी बताया कि कैफ ने उससे आईपीएल 2025 के ऑक्शन के बाद निश्चित रूप से शादी करने के लिए कहा था। महिला ने मोहम्मद कैफ पर नौकरी छुड़वाने के भी आरोप लगाए हैं। महिला ने कहा कि

दिसंबर में शादी नहीं करने के बाद उसने शमी के भाई मोहम्मद हसीब से बात की थी, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला था।महिला ने शिकायत में कहा कि उसके एक पॉडकास्ट के बाद मोहम्मद कैफ ने उससे फिर से शादी का वादा करते हुए उस पॉडकास्ट को रोकने के लिए बोला था और बाद में शारीरिक संबंध भी बनाए थे। एफआईआर के अनुसार, महिला ने कहा कि मोहम्मद हसीब ने उसे एक व्यक्ति बदरुहान के जरिए अमर्रोहा बुलाया था, जहां उन्होंने उसे डराया और जान से मारने की धमकी दी।शिकायत के बाद लखनऊ पुलिस ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी के भाई मोहम्मद कैफ और मोहम्मद हसीब के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी टीम इंडिया, अफगानिस्तान को होगी पहली जीत की तलाश



नई दिल्ली । भारतीय टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। सीरीज का दूसरा मुकाबला अब मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान टीम भारत के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की तुफानी पारी खेली थी। अभिषेक के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए थे। वहीं, ईशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और वह 10 रन बनाकर आउट हुए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम दूसरे टी20 में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में बरकरार रखती है या फिर टीम मैनेजमेंट वैभव सूर्यवंशी को मौका देता है। गेंदबाजी में अशदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट चटकाने थे, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल भी किफायती रहे थे। हालांकि, नीतीश कुमार रेड्डी जरूर महंगे साबित

हुए थे और उन्होंने 2 ओवर में 30 रन दिए थे। दूसरी ओर, अफगानिस्तान दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पहले टी20 में टीम का टॉप और मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा था। हालांकि, निचले क्रम में अजमतुल्लाह उमरज़ई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी। वहीं, मोहम्मद नबी ने 33 रनों का योगदान दिया था। नबी को छोड़कर टीम के बाकी गेंदबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे।

अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम की पिच पहले टी20 में बल्लेबाजों के लिए मुफीद नजर आई थी। छोटी बॉउंड्री होने का भरपूर फायदा अभिषेक शर्मा और उमरज़ई ने उठाया था। हालांकि, पिच में स्पिन गेंदबाजों के लिए भी थोड़ा घुमाव देखने को मिला था। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक कुल 10 टी20 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 9 में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मैच बेनतीजा रहा है। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली में मौसम पूरी तरह से साफ रहने की उम्मीद है। भारतीय टीम का स्क्वाड: श्रेयस अय्यर [कप्तान], अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन [विकेटकीपर], ईशान किशन [विकेटकीपर], तिलक वर्मा [उपकप्तान], शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अशदीप सिंह और यश ठाकुर। अफगानिस्तान टीम का स्क्वाड: इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), नूर रहमान (विकेटकीपर), सैदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरज़ई, गुलबदीन नाइब, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, मुसीब उर रहमान, फजलहक फारूकी, अब्दुल्ला अहमदज़ई और नवीन-उल-हक।

01भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने शुरू की ‘बंगाल फुटबॉल एकेडमी’ बनाने की पहल



कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने ‘बंगाल फुटबॉल एकेडमी’ बनाने की पहल फिर से शुरू की है, जिसकी कोशिश करीब 15 साल से जारी है। सोमवार को उन्होंने न्यू टाउन में पूर्व फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी की योजना पर चर्चा की। मिथुन चक्रवर्ती की योजना प्रत्येक जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लाना है। वह पहाड़ी इलाकों पर भी फोकस करेंगे। उनकी योजना शुरुआत में 60 फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी शुरू करना है। इसके साथ ही दिग्गज अभिनेता मिथुन ने एकेडमी के वित्तीय योजना के बारे में भी बताया। ‘आईएएफएस’ के साथ बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, ‘बीते 15 वर्षों से कुछ हुआ नहीं, क्योंकि मैं शामिल था। मेरा नाम आते ही सब कुछ ब्रेन कर दिया गया। कोई मैदान, कोई फील्ड कुछ नहीं दिया गया... बोल के भी नहीं दिया। इसलिए 15 साल से ये ठप्प पड़ा हुआ था, लेकिन हम लोगों ने एक करोड़ रुपए जमा करके रखे हैं, जो अभी भी बैंक में हैं। अभी इस एकेडमी को चलाने के लिए, इसको ताकत देने के लिए और

दो-तीन करोड़ रुपए मैं चंदे से जुटाऊंगा, ताकि बंगाल फुटबॉल एकेडमी अच्छी तरह से चल सके। ‘ उन्होंने कहा, ‘हम लोग अभी डिस्ट्रिक्ट में लोगों को भेजेंगे। सब जगह से अच्छे खिलाड़ियों को चुनेंगे। हम 60 खिलाड़ियों को चुनेंगे, जिसमें से आदिवासी खिलाड़ियों पर मेरी ज्यादा नजर है। पहाड़ी इलाकों में, दार्जिलिंग, कालिम्पोंग ये सब जगह हिल्स एरिया में जो लड़के अच्छ खेलेते हैं, उनके ऊपर मेरी ज्यादा नजर है। हमने चार-पांच ग्राउंड सोच रखे हैं। टेंडर के जरिए हमें जो मिलेगा, हम उसी में काम करेंगे। ‘ चयन प्रक्रिया को लेकर बीजेपी के राज्य उपाध्यक्ष राजू बंडोपाध्याय ने कहा, ‘यह पूरी तरह से पारदर्शी होगा। बंगाल से जुड़े जितने भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं, वो लोग इसमें जुटे हुए हैं। हम लोगों ने एक योजना बनाई है। ये अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जिला स्तर पर जाकर वहां स्कार्टिंग करेंगे, जो सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं, उनको हम कोलकाता लाएंगे और फिर इधर जो फाइनल सिलेक्शन होगा। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता होगी। जो श्रेष्ठ खिलाड़ी हैं, वहीं इसमें हिस्सा लेंगे। चाहे फुटबॉल हो, चाहे वो शिक्षा हो, चाहे वो औद्योगीकरण हो, हम सभी में बदलाव लाना चाहते हैं। दादा (मिथुन चक्रवर्ती) ने ये सपना देखा है कि हमें वापस से बंगाल को ‘सोना बंगाला’ बनाना है। हम सभी उनके साथ, उनके इस सपने को पूरा करने के लिए तत्पर हैं।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग: विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बर्नी रिबाकिना, खत्म की सबालेंका की बादशाहत



नई दिल्ली । सोमवार को जारी साप्ताहिक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में बेलारूस की एरीना सबालेंका से आगे निकलने के बाद एलेना रिबाकिना आधिकारिक तौर पर विश्व की नई नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। हाल ही में खतम हुए यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में किनवेन ड्रैग को हराते के बाद ही रिबाकिना का टॉप स्पॉट पक्का हो गया था। कजाकिस्तान की स्टार खिलाड़ी ने फाइनल में सबालेंका को हराकर इस टूर्नामेंट का सम्मान किया। रिबाकिना सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बनने वाली कजाकिस्तान की पहली (पुरुष या महिला) खिलाड़ी बन गई हैं। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के कारण वह सबालेंका के काफी करीब बनी रहीं, जबकि बेलारूसी टेनिस स्टार का फॉर्म सीजन के बीच में थोड़ा गिर गया था। जब सीजन के बीच में सबालेंका की लय बिगड़ी, वहीं रिबाकिना पिछले साल के आखिर से ही टॉप पर पहुंचने की ओर बढ़ रही थीं। उन्होंने इस साल सीजन के बीच में नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट स्विंग पर शानदार प्रदर्शन किया और उसके बाद ‘बिग एप्पल’ (न्यूयॉर्क) में भी सफलता हासिल की। नंबर 1 पोजीशन पक्का होने पर रिबाकिना ने प्रतिक्रिया दी थी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, रिबाकिना ने कहा, ‘यह इतिहास है, और मुझे कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रोफेशनल बर्गुनी या इतने बड़े मंचों पर इस तरह के टूर्नामेंट खेलूंगी। ‘

कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट से पहले सात दिनों तक अपने रैकेट को हाथ भी नहीं लगाया था और बताया कि न्यूयॉर्क में उनकी तैयारी बिस्कुल भी अच्छी नहीं थी। उन्होंने कहा, ‘किसी तरह, हम हर दिन कोई न कोई रास्ता खोजने की कोशिश कर रहे थे और उन चुनौतियों का सामना कर रहे थे जो हर सुबह मेरे सामने आती थीं। टूर्नामेंट से पहले सात दिनों तक मैंने अपने रैकेट को छुआ तक नहीं था। ‘ कई मुश्किलों और अनिश्चितताओं के बावजूद रिबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए खिताब जीता था। खिताब जीतने के बाद रिबाकिना ने कहा, ‘यह सच में अविश्वसनीय है। मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। मतलब, मेरे पास शब्द नहीं हैं। ‘

विदाई से पहले फिर सक्रिय हुआ मानसून, मध्य प्रदेश-राजस्थान और गुजरात समेत उत्तर भारत में भारी बारिश के आसार

लखनऊ, जयपुर, अहमदाबाद, एजेंसी। मानसूनी हवाओं ने पश्चिम से आने वाली शुष्क हवाओं को पीछे धकेल दिया है। इसी बीच मध्य प्रदेश के आसपास बने निम्न दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से गुजरात, राजस्थान और मध्य भारत के बड़े हिस्से में बारिश का दौर फिर तेज हुआ है। ऐसे में मानसून की विदाई के लिए जरूरी परिस्थितियां अभी पूरी तरह नहीं बन पाई हैं। बंगाल की खाड़ी में 20 सितंबर के आसपास एक और मौसमी सिस्टम बनने की संभावना है, जो मानसूनी गतिविधियों को आगे भी बनाए रख सकता है। यही कारण है कि इस बार मानसून की वापसी 17 सितंबर से आगे खिसक सकती है। पिछले वर्ष सामान्य तिथि से तीन दिन पहले वापसी की प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

बारिश सामान्य से करीब 15 प्रतिशत कम: मौसम विभाग के अनुसार, देश में अभी कुल बारिश सामान्य से करीब 15 प्रतिशत



कम है, लेकिन कई राज्यों में कमी 40 से 45 प्रतिशत तक है। ऐसे में सितंबर की बारिश खेती के लिहाज से महत्वपूर्ण हो गई है। पिछले वर्ष पश्चिमी राजस्थान से 14 सितंबर को मानसून की वापसी शुरू हो गई थी। इस

बार अभी तक ऐसी स्थितियां नहीं बनी हैं। मौजूदा संकेतों को देखते हुए अगले करीब दस दिनों तक मानसून की वापसी की संभावना कम है।

अगले कुछ दिन मानसून की सक्रियता

के लिहाज से महत्वपूर्ण: आईएमडी के अनुसार, उत्तर भारत में अगले कुछ दिन मानसून की सक्रियता के लिहाज से महत्वपूर्ण रहेंगे। हिमाचल से लेकर उत्तराखंड, उत्तर

प्रदेश और बिहार तक तराई एवं आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर तेज बारिश का खतरा बना रहेगा।

पंजाब और हरियाणा में शुष्क मौसम रहने की संभावना

दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों में मौसम पूरी तरह शुष्क रहने की स्थिति नहीं है। स्थानीय परिस्थितियों के साथ मानसूनी हवाओं की सक्रियता बढ़ने पर कुछ क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। पंजाब और हरियाणा के पश्चिमी हिस्सों में फिलहाल शुष्क मौसम रहने की संभावना है। हालांकि अगले सप्ताह हवाओं की दिशा और नमी की स्थिति से उत्तर भारत में मानसून के टहराव की तस्वीर और साफ होगी।

मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में बारिश की संभावना

पश्चिमी और मध्य भारत में फिलहाल बारिश का ज्यादा प्रभाव बना हुआ है। मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों के साथ राजस्थान और पूर्वी गुजरात में कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। तीन सप्ताह तक लगातार सूखे के बाद गुजरात में बारिश की वापसी हो सकी है। सीराष्ट्र और कच्छ में हालांकि बारिश की कमी अब भी चिंता का विषय है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून की वापसी केवल बारिश रुक जाने से तय नहीं होती।

विद्यार्थियों को गुणवाापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता: राजेश यादव

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने सोमवार को शासन सचिवालय में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल योजना सहित विभिन्न आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को अध्यापकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति, विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के नामांकन, मानव संसाधन, आधारभूत सुविधाओं तथा निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव यादव ने प्रदेश के मॉडल स्कूलों में रिक्त पदों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मॉडल स्कूलों के परीक्षा परिणामों में और सुधार के लिए विषयवार विश्लेषण एवं आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निर्माणधीन भवनों में भूमि, बिजली, पानी एवं अन्य लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करते हुए कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए भवन निर्माण के साथ आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। एसोएस ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल छात्रावास, पीएम-जनमन एवं डीएजेजीयूए के अंतर्गत संचालित एवं निर्माणधीन छात्रावासों की प्रगति की भी समीक्षा की। केजीबीवी में कुल 51 हजार 950 विद्यार्थियों की क्षमता के विरुद्ध 46 हजार 668 बालिकाएं नामांकित हैं। वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों सहित अन्य आवासीय संस्थानों में भी नामांकन की स्थिति की समीक्षा की गई।

नाबालिग को शराब बेचने के मामले में आबकारी मंत्री सख्त, सेल्समैन हटाया, 30 हजार का जुर्माना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नाबालिग को शराब बेचने के आरोप से जुड़े सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने तत्काल संज्ञान लिया है। मंत्री के निर्देश पर हुई जांच में सेल्समैन का व्यवहार अनुचित पाए जाने के बाद उसे तत्काल दुकान से हटा दिया गया। साथ ही संबंधित कम्पोजिट दुकान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। मामला लखनऊ के विकासनगर थाना क्षेत्र स्थित एक कम्पोजिट शराब की दुकान से जुड़ा है। 11 सितंबर को सोशल मीडिया मंच एक्स समेत अन्य प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें दुकान के सेल्समैन की एक व्यक्ति



से कहासुनी दिखाई दे रही थी। वीडियो में सेल्समैन पर नाबालिग बच्चे को शराब बेचने का आरोप लगाया जा रहा था। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित के अधिकारियों को जांच कर कड़ी कार्रवाई के

पेरियार और अन्ना की जयंती रैलियों पर रोक से भड़की डीएमके, उध्यनिधि ने उठाए सवाल

चेन्नई। तमिलनाडु के विपक्ष के नेता उध्यनिधि स्टालिन ने सोमवार को समाज सुधारक पेरियार ई.वी. रामासामी और पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुरई की जयंती पर प्रस्तावित रैलियों को अनुमति न दिए जाने को लेकर पुलिस की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी डीएमके समेत अन्य दलों द्वारा आयोजित की जाने वाली इन रैलियों को रोकना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उध्यनिधि ने पुलिस के फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे अनुचित बताया और सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की। सोशल मीडिया पोस्ट में उध्यनिधि स्टालिन ने सवाल किया कि पुलिस ने इन कार्यक्रमों की इजाजत क्यों नहीं दी, जबकि राज्य में दक्षिणपंथी समूहों द्वारा आयोजित रैलियों को इजाजत दी गई



थी। उन्होंने सरकार से इस फैसले पर फिर से विचार करने और कार्यक्रमों के लिए तुरंत मंजूरी देने की अपील की। उनके अनुसार, डीएमके ने समाज सुधारक की जयंती मनाने के लिए 17 सितंबर को पेरियार के जन्मस्थान इरोड में एक रैली आयोजित करने की योजना बनाई थी। एक और रैली

‘पेरियारना अन्ना’ के नाम से मशहूर अन्नादुरई की जयंती मनाने के लिए गुडियाथम में प्रस्तावित थी। गुडियाथम कार्यक्रम डीएमके और कई अन्य राजनीतिक पार्टियों द्वारा मिलकर आयोजित किया जाना था। उध्यनिधि स्टालिन ने पुलिस की इजाजत न मिलने को अस्वीकार्य बताया और आरोप लगाया कि सरकार यह तय करते समय अलग-अलग मापदंड अपना रही है कि कौन से राजनीतिक और सामाजिक संगठन सार्वजनिक जुलूस निकाल सकते हैं। उन्होंने पूछा कि पुलिस, जो सीधे मुख्यमंत्री के नियंत्रण में काम करती है, उसने दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा आयोजित रैलियों को तो इजाजत दे दी, लेकिन पेरियार और अन्ना के सम्मान में होने वाले कार्यक्रमों को रोक दिया, ये दोनों नेता

ऐसे थे जिन्होंने तमिलनाडु के सामाजिक और राजनीतिक विकास पर गहरा प्रभाव डाला था। विपक्ष के नेता ने मुख्यमंत्री द्वारा पेरियार और अन्ना को बार-बार वैचारिक मार्गदर्शक बताए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि उनकी याद में आयोजित रैलियों की इजाजत न देकर सरकार किसे खुश करने की कोशिश कर रही है। उध्यनिधि स्टालिन ने आरोप लगाया कि इस स्वतंत्र रूप से काम कर रही है या भगवा राजनीति से जुड़ी ताकतों के दबाव में झुक रही है। उन्होंने सरकार पर राजनीतिक अहंकार दिखाने और दो द्रविड दिग्गजों की विरासत का सम्मान न करने का आरोप लगाया।

BRICS की आर्थिक ताकत दुनिया की तुलना में करीब दो गुनी रफ्तार से बढ़ी : वित्त मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि BRICS देशों की आर्थिक ताकत में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है और इसकी विकास गति वैश्विक अर्थव्यवस्था की तुलना में करीब दो गुनी रही है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था में BRICS देशों की बढ़ती भूमिका और प्रभाव को दर्शाता है। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने BRICS Business Forum में BRICS देशों की आर्थिक प्रगति के आंकड़ों को साझा करते हुए बताया कि जिस अवधि में दुनिया की तृष्ण करीब ढाई गुना बढ़ी, उसी अवधि में BRICS देशों की संयुक्त GDP लगभग साढ़े चार गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि BRICS देशों की यह आर्थिक प्रगति वैश्विक विकास के बदलते स्वरूप का महत्वपूर्ण संकेत है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं, विशाल बाजार, युवा आबादी और बढ़ते व्यापारिक अवसरों के कारण BRICS वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में एक मजबूत और प्रभावशाली समूह के रूप में उभर रहा है। ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत भी वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत की मजबूत आर्थिक नींव, सुधारों, निवेश के अनुकूल वातावरण और नवाचार आधारित विकास से देश की वैैक भूमिका लगातार सशक्त हो रही है। उन्होंने कहा कि BRICS की बढ़ती आर्थिक शक्ति भारत सहित सदस्य देशों के लिए नए व्यापार, निवेश और सहयोग के अवसरों का मार्ग प्रशस्त करती है। यह वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूती देने के साथ ही समावेशी और संतुलित वैश्विक विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

नेशनल लोक अदालत में रायगढ़ जिले में 12 लाख से अधिक प्रकरणों का हुआ निराकरण

रायपुर, वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को प्रदेशभर में किया गया। लोक अदालत के माध्यम से लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का पक्षकारों की आपसी सहमति और राजीनामे के आधार पर निराकरण कर त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराया गया। इस दौरान रायगढ़ जिले में कुल 12 लाख 7 हजार 255 प्रकरणों का निराकरण किया गया। नेशनल लोक अदालत की मूल भावना आपसी सहमति से विवादों का समाधान कर पक्षकारों को शीघ्र न्याय दिलाना है। इसी क्रम में लोक अदालत के दौरान कुटुम्ब न्यायालय, रायगढ़ में आपसी राजीनामे के आधार पर पांच परिवारों को पुनः दाम्पत्य जीवन में पुनर्संस्थापित किया गया। विवादों के समाधान के साथ इन परिवारों को फिर से एक साथ आने का अवसर मिला।

संबंधित परिवारों को सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेंद्र जैन द्वारा किया गया। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को अधिक से अधिक प्रकरणों का पक्षकारों के मध्य आपसी राजीनामे के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया तथा नेशनल लोक अदालत की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। वचुअल माध्यम से भी हुआ प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत में वचुअल माध्यम से भी पक्षकारों की उपस्थिति दर्ज कराई गई। इसके माध्यम से आपसी सहमति एवं राजीनामे के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया गया।



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली

